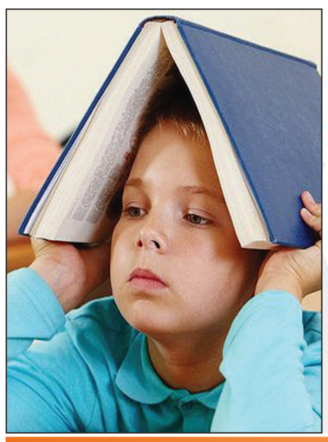

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता पेज: 7

हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म फिल्म में दिखेंगी जाह्नवी कपूर पेज: 8

वर्ष : 03 | अंक : 88 | बुधवार 01 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राम मंदिर दान चोरी का मामला` पूर्व महासचिव चंपत राय से एसआईटी की 3 घंटे तक पूछताछ, कई सवालों पर साधी चुप्पी

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में दान की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में जांच एजेंसी ने अपनी कार्रवाई बेहद तेज कर दी है। इस हाई-प्रोफाइल घोटाले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से लगभग तीन घंटे तक गहन पूछताछ की और उनका आधिकारिक बयान दर्ज किया। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान जांचकताओं ने चंपत राय के सामने प्रशासनिक फैसलों, दान प्रबंधन और नियुक्तियों से जुड़े कई तीखे सवाल रखे, जिनमें से कई अहम सवालों के जवाब वे नहीं दे पाए। अयोध्या में राम मंदिर में दान चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने राय से पूछताछ की।

घुसपैठियों को चुन चुन कर बाहर खदेड़ेंगे अमित शाह, देशव्यापी रणनीति बनाने के लिए बुलाई सभी राज्यों के डीजीपी की बैठक

नई दिल्ली एजेंसी: देश की आंतरिक सुरक्षा, जनसंख्या संतुलन और कानून व्यवस्था के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में अब अवैध घुसपैठ का मुद्दा निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। केंद्र की मोदी सरकार ने साफ कर दिया है कि अब घुसपैठियों और उन्हें संरक्षण देने वाले पूरे तंत्र के खिलाफ राष्ट्रव्यापी और समन्वित अभियान चलाया जाएगा। इसी दिशा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नौ जुलाई को नई दिल्ली में सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यह बैठक देश की सुरक्षा को लेकर मोदी सरकार की कठोर और स्पष्ट नीति का प्रतीक मानी जा रही है। इस उच्चस्तरीय बैठक में खुफिया ब्यूरो, अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग यानि रॉ, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केंद्रीय

सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। पहली बार पूरे देश में अवैध घुसपैठ के खिलाफ एक साथ कार्रवाई की व्यापक रणनीति तैयार की जा रही है ताकि किसी एक राज्य में दबाव बढ़ने पर घुसपैठिये दूसरे राज्य में भागकर बच न सकें। केंद्र सरकार का मानना है कि यह समस्या अब केवल सीमावर्ती जिलों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि देशव्यापी सुरक्षा संकट का रूप ले चुकी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सीमा पार करने के बाद अवैध घुसपैठिये संगठित गिरोहों की मदद से महानगरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंच जाते हैं। इन गिरोहों का पूरा जाल सक्रिय रहता है, जो उन्हें रहने की जगह, नकली पहचान पत्र, रोजगार और एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने की व्यवस्था करता है। नकली आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार करने वाले नेटवर्क भी जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अब केवल घुसपैठियों को चिन्हित करना ही लक्ष्य नहीं होगा, बल्कि उन्हें

इन गिरोहों का पूरा जाल सक्रिय रहता है, जो उन्हें रहने की जगह..

सीमा पार करने के बाद अवैध घुसपैठिये संगठित गिरोहों की मदद से महानगरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंच जाते हैं। इन गिरोहों का पूरा जाल सक्रिय रहता है, जो उन्हें रहने की जगह, नकली पहचान पत्र, रोजगार और एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचाने की व्यवस्था करता है।

संरक्षण देने वाले पूरे तंत्र को जड़ से खत्म किया जाएगा। इस अभियान में प्रवर्तन निदेशालय को विशेष जिम्मेदारी दी जा सकती है। एजेंसी उन आर्थिक नेटवर्कों की जांच करेगी जिनके जरिये अवैध घुसपैठ का कारोबार फलफूल रहा है। घुसपैठ से जुड़े धन के स्त्रोतों की पहचान कर उनकी संपत्तियां जब्त करने की तैयारी है। वहीं खुफिया एजेंसियां राज्यों की पुलिस और प्रशासन को ठोस और त्वरित सूचनाएं उपलब्ध कराएंगी ताकि कार्रवाई तेज और प्रभावी ढंग से हो सके। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह लंबे समय से इस मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ते रहे हैं। पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अवैध घुसपैठ और सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे जनसंख्या बदलाव को गंभीर राष्ट्रीय चुनौती बताया था।

उन्होंने स्पष्ट कहा था कि देश की सुरक्षा और सामाजिक संतुलन के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उसी संकल्प को अब जमीन पर उतारने की दिशा में तेजी दिखाई दे रही है। साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल के महीनों में राजस्थान, गुजरात और त्रिपुरा के सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर सीमा प्रबंधन और जनसंख्या बदलाव की स्थिति की समीक्षा की थी।

इन दौरों के बाद केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव नवलेकर की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन भी किया। यह समिति सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ साथ महानगरों और औद्योगिक नगरों का अध्ययन कर एक वर्ष के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी। समिति का उद्देश्य उन क्षेत्रों में हो रहे जनसंख्या बदलाव, सुरक्षा चुनौतियों और प्रशासनिक कमियों का गहराई से विश्लेषण करना है।

भगवंत मान के वायरल वीडियो पर महाविवाद, अकाल तख्त के फैसले के खिलाफ हुई पंजाब सरकार

चंडीगढ़ एजेंसी: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एक वीडियो को लेकर बड़े विवाद में फंस गए हैं। सोशल मीडिया पर फैले इस वीडियो में एक आदमी सिख गुरुओं और पूजनीय हस्तियों की तस्वीरों के सामने हाथ में शराब का गिलास लिए दिख रहा है। लोगों का आरोप है कि शराब के छींटे इन पवित्र तस्वीरों पर भी पड़े। इस बात से सिख संगठन और विरोधी पार्टियां बहुत नाराज हैं। उनका कहना है कि यह सिख गुरुओं का बड़ा अपमान है, क्योंकि सिख धर्म में पवित्र जगहों या धार्मिक तस्वीरों के पास शराब रखना बिल्कुल गलत माना जाता है। अकाल तख्त का बड़ा फैसला यह मामला सिख समुदाय की सबसे बड़ी धार्मिक संस्था 'अकाल तख्त' के पास पहुंचा। वहां पांच सदस्यों की

कमेटी ने इस मामले की जांच की। सबसे बड़ा सवाल यह था कि क्या यह वीडियो सचमुच असली है और इसमें दिख रहा व्यक्ति भगवंत मान ही है? भगवंत मान ने कहा कि यह वीडियो असली नहीं है और इसे कंप्यूटर की मदद से बनाया गया है। लेकिन अकाल तख्त ने उनके इस दावे को गलत बताया। संस्था ने वीडियो को असली मानते हुए भगवंत मान को 'गुरु दोखी' और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित कर दिया। फोरेंसिक रिपोर्ट पर उठे सवाल अकाल तख्त के फैसले के बाद पंजाब सरकार ने कुछ जांच रिपोर्ट दिखाईं। सरकार ने दावा किया कि इन रिपोर्टों के मुताबिक वीडियो नकली है और इसमें दिख रहा आदमी मुख्यमंत्री नहीं है। आम आदमी पार्टी ने भी इस आधार पर अकाल तख्त के फैसले को मानने से इनकार कर दिया। लेकिन बाद में पुलिस जांच में पता चला कि पंजाब सरकार ने जो रिपोर्ट पेश की थीं, वे खुद नकली थीं। जिन लैब के नाम पर वे रिपोर्ट बनी थीं, उनका कोई अता-पता ही नहीं था। पुलिस की कार्रवाई और नए दावे इस मामले में गुरुग्राम पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है और नकली रिपोर्ट बनाने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। शक है कि इसमें पंजाब पुलिस के कुछ लोग भी शामिल हो सकते हैं। इस बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयान भी बदलते रहे। पहले उन्होंने इसे अक से बना वीडियो बताया, तो बाद में कहा कि वीडियो में दिख रहा आदमी कोई और है, जिसने उनके जैसा दिखने वाला मुखौटा पहन रखा था।

पीएम मोदी का 'विकसित भारत' पर फोकस, सचिवों संग हाई लेवल मीटिंग में बनेगा कार्य योजना

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम 4 बजे सभी केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता करेंगे। मोदी पहले ही भारत को 2047 तक - जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा - एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य तय कर चुके हैं। एजेंडा में क्या-क्या है इस बैठक में सुधार और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार में आसानी) को बेहतर बनाना मुख्य एजेंडा हो सकता है। उम्मीद है कि पीएम मोदी कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिनमें 'ईज ऑफ लिविंग' (जीवन को आसान बनाना) और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बेहतर बनाने के लिए किए गए सुधार शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि कुछ सचिव अपने-अपने मंत्रालयों के बारे में प्रेजेंटेशन

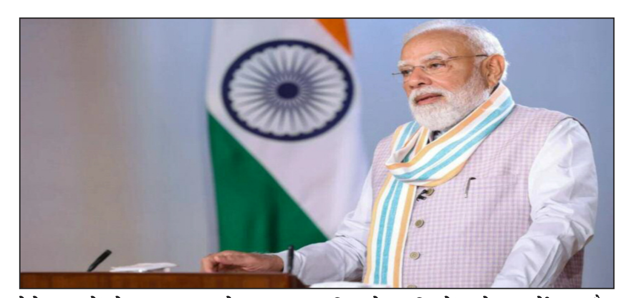

देंगे। इसमें वे कामकाज के साथ-साथ अलग-अलग सुधारों और लोगों से जुड़े अन्य कदमों पर हुई प्रगति की जानकारी देंगे। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी सचिवों के साथ 'अगली पीढ़ी के सुधारों' (अगली पीढ़ी के सुधार) की भी समीक्षा करेंगे। इन सुधारों के जरिए सरकार लोगों का जीवन आसान बनाना और कारोबार में आसानी सुनिश्चित करना चाहती है। उम्मीद है कि वे सचिवों को गवर्नेंस और सर्विस डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देंगे। साथ ही, वे यह सुनिश्चित करने को कहेंगे कि सरकारी कामों, खासकर लोगों से जुड़ी योजनाओं में कोई काम पेंडिंग न रहे। पीएम मोदी ने पहले ही अगले 10 सालों के लिए सुधार की प्राथमिकताएं बताई थीं पीएम मोदी ने पहले ही अगले 10 सालों के लिए सुधार की प्राथमिकताएं बताई थीं और कहा था कि उनकी सरकार की "रिफॉर्म एक्सप्रेस" ने सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं और नागरिकों को काफी फायदा पहुंचाया है। बैठक में फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में 7.7 प्रतिशत और चौथी तिमाही (प्रश्न4) में 7.8 प्रतिशत की जीडीपी ग्रोथ रेट पर ध्यान दिया जा सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी, जो घरेलू मांग और सरकारी खर्च में तेजी के कारण अनुमानों से ज्यादा रही।

यह जीडीपी ग्रोथ एक साल पहले हुई 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तुलना में है। अच्छे कंजम्पशन और मजबूत इन्वेस्टमेंट एक्टिविटी के कारण पूरे साल की ग्रोथ ऋ25 में 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई।

सचिन ने तेंदुलकर की तरह मास्टरस्ट्रोक खेला, एकनाथ शिंदे ने किया साफ- हम तोड़ते नहीं जोड़ते हैं

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को उद्धव गुट पर निशाना साधा। यह तब हुआ जब सीनियर एमएलसी सचिन अहीर उनकी शिवसेना में शामिल हो गए और महायुति गठबंधन की ओर से महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया। अहीर का पार्टी में स्वागत करते हुए शिंदे ने उनके इस राजनीतिक कदम की तुलना क्रिकेट के मैदान पर खेले गए 'मास्टरस्ट्रोक' से की। शिंदे ने कहा कि आज सचिन अहीर ने बिल्कुल सचिन तेंदुलकर की तरह शॉट खेला है। वह एक अहम नेता हैं। आज उन्होंने डिप्टी चेयरमैन पद के लिए नामांकन पत्र और महायुति का फॉर्म, दोनों भरे हैं। शिंदे ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी दल-बदल के सहारे टिकी है। इसके बजाय, उन्होंने शिवसेना को एक बढ़ती हुई राजनीतिक ताकत के तौर पर पेश किया। उन्होंने कहा कि हम लोगों को तोड़ते नहीं, बल्कि उन्हें साथ

लाते हैं। अपने खेमे में लगातार शामिल हो रहे नेताओं का ज़िक्र करते हुए शिंदे ने कहा कि इस बदलाव के कारण साफ हैं। उन्होंने कहा, लोग शिवसेना में क्यों आ रहे हैं? उन्होंने खुद ही इस सवाल का जवाब दिया है। 2022 की बगावत को याद किया, 30 जून को ऐतिहासिक बताया शिंदे ने इस मौके पर 2022 की घटनाओं को भी याद किया और बताया कि 30 जून को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर उनके शपथ लेने की सालगिरह है। उन्होंने कहा कि 2022 में लिए गए फैसले से एक स्थिर सरकार बनी, जिसने महाराष्ट्र के विकास को तेजी देने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन से, केंद्र और राज्य मिलकर 'डबल-इंजन' सरकार चला रहे हैं। उद्धव ठाकरे पर फिर से हमला शिंदे ने आगे आरोप लगाया कि महायुति सरकार 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद ही बन जानी चाहिए थी। हिंदी में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह एक संयोग था कि उन्होंने 30 जून, 2022 को शपथ ली, लेकिन दावा किया कि 2019 में जनता के जनादेश के साथ धोखा हुआ था।

टीएमसी के 440 करोड़ पर संकट! बैंक खाते फ्रीज मामले में उच्च न्यायालय से भी राहत नहीं

कलकत्ता एजेंसी: कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उस याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें पार्टी के बैंक अकाउंट्स को फ्रीज करने का मामला उठाया गया था। बागी विधायकों की शिकायतों के बाद अधिकारियों ने टीएमसी के तीन बैंक अकाउंट्स पर डेबिट फ्रीज लगा दिया था। ये विधायक फंड के सोर्स की जांच की मांग कर रहे थे। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट की याचिका पर सुनवाई को प्राथमिकता देने से इनकार करते हुए जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि मामले की सुनवाई लिस्टिंग के क्रम के अनुसार ही होगी। हालांकि, कोर्ट ने तुरंत सुनवाई की अपील ठुकरा दी। तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक खातों से पैसे निकालने (डेबिट) की सुविधा रोक दी गई है; इन खातों में लगभग 440 करोड़ रुपये जमा हैं। यह रोक बागी नेता रिताब्रता बनर्जी के साथ जुड़े कुछ विधायकों की शिकायतों के बाद लगाई गई है। उन्होंने बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के तहत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराकर ऋक्रदर्ज करने और खातों की विस्तृत जांच की मांग की थी। अपनी शिकायतों में विधायकों ने खातों में जमा फंड के स्त्रोत पर सवाल उठाए और लेन-देन की जांच की मांग की। विधायकों ने जांचकताओं से यह पता लगाने का आग्रह किया कि क्या फंड वैध स्त्रोतों से आए थे या कथित अवैध गतिविधियों से– जिनमें संदिग्ध 'कट-मनी' वसूली, सार्वजनिक फंड का गलत इस्तेमाल और घोटालों से मिली

तमिलनाडु में अब सिर्फ एसी सरकारी बसें खरीदी जाएंगी: सीएम विजय के निर्देश पर परिवहन मंत्री का बड़ा एलान

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव होने जा रहा है। राज्य के परिवहन मंत्री विजय तमिलन पार्थिबन ने रविवार को सलेम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान घोषणा की है कि तमिलनाडु सरकार अब से राज्य परिवहन निगम के लिए केवल एयर-कंडीशंड (एसी) बसें ही खरीदेगी।मंत्री ने बताया कि यह ऐतिहासिक फैसला मुख्यमंत्री विजय के उस विजन का हिस्सा है, जिसके तहत वे राज्य के आम नागरिकों को भी प्रीमियम और आरामदायक यात्रा की सुविधा देना चाहते हैं। मुख्यमंत्री विजय की बस यात्रा से आया यह विचार परिवहन मंत्री पार्थिबन ने मीडिया से बात करते हुए इस फैसले के पीछे की एक बेहद दिलचस्प वजह साझा की। 'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में मुख्यमंत्री विजय ने खुद एक सरकारी बस में सफर किया था। विजय तमिलन पार्थिबन, परिवहन मंत्री ने कहा "सरकारी बस में यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने महसूस किया कि हर

आम नागरिक को भी आरामदायक सफर का हक है। उनकी इच्छा है कि हर नई बस में एयर-कंडीशनिंग की सुविधा अनिवार्य रूप से हो, ताकि समाज का हर वर्ग, जिसमें वे खुद भी शामिल हैं, बिना किसी परेशानी के आराम से यात्रा कर सके।" मुख्यमंत्री का यह भी निर्देश है कि तमिलनाडु के हर सुदूर और दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों को बस नेटवर्क से पूरी तरह जोड़ा जाए, ताकि कनेक्टिविटी से कोई भी वंचित न रहे। हाल ही में बेड़े में शामिल हुई हैं 300 नई बसें इस बड़ी घोषणा से ठीक एक हफ्ते पहले ही, अभिनेता से राजनेता बने मुख्यमंत्री विजय ने राज्य के परिवहन बेड़े को मजबूत करने के लिए 300 नई बसों को हरी झंडी दिखाई थी। इस कार्यक्रम के दौरान सीएम विजय को एक बस कंडक्टर से आत्मीय बातचीत करते हुए भी देखा गया था। इस नए बेड़े की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: कुल लागत: इन बसों को 127.21 करोड़ रुपये की लागत से खरीदा गया है। ईंधन के प्रकार: बेड़े में 164 डीजल बसें और 136 पर्यावरण-अनुकूल इर-श्क मानक वाली उठऋ बसें शामिल हैं। रूट्स: यात्रियों की सुविधा के लिए और उनके इंतजार के समय को कम करने के लिए

आयुष्मान भारत में जुड़ेगा लिवर ट्रांसप्लांट? डॉ. सरीन की मांग पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दिया बड़ा सुझाव

नई दिल्ली। यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) के 10वें दीक्षांत समारोह में मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश में लिवर रोग तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बन चुके हैं। इस बीच आईएलबीएस के कुलाधिपति डॉ. एसके सरीन ने केंद्रीय मंत्री से लिवर ट्रांसप्लांट को भी आयुष्मान भारत योजना में सम्मिलित करने की मांग की। इस पर नड्डा ने उन्हें एक बड़ा सुझाव दिया। 58 विद्यार्थियों को मिले सर्टिफिकेट नड्डा ने कहा कि फैटी लिवर अब घर-घर में चर्चा का विषय बन गया है और इसके पीछे आईएलबीएस के जागरूकता अभियानों का बड़ा योगदान है। इस समारोह में 58 विद्यार्थियों को विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी, शोध और नर्सिंग पाठ्यक्रमों की उपाधियां, प्रमाणपत्र और पदक प्रदान किए गए। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह तथा आईएलबीएस के कुलाधिपति डॉ. एसके सरीन भी मौजूद रहे। बन रहीं अनेक गैर-संचारी बीमारियों की जड़ अपने संबोधन में डॉ. सरीन ने कहा कि वर्तमान समय में देश का हर तीसरा व्यक्ति फैटी लिवर से प्रभावित है। यह केवल लिवर की बीमारी नहीं बल्कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय

रोग, कैंसर और गुर्दा रोग जैसी अनेक गैर-संचारी बीमारियों की जड़ बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, जागरूकता और जीवनशैली में सुधार के जरिए इस खतरे को काफी हद तक रोका जा सकता है। 10,800 से ज्यादा लिवर आपातकालीन केस सुलझाए डॉ. सरीन ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2025 में आईएलबीएस में 1.60 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया गया तथा 10,800 से ज्यादा लिवर आपातकालीन मामलों का प्रबंधन किया गया। संस्थान अब तक

आईएलबीएस के 10वें दीक्षांत समारोह में 58 छात्रों को उपाधियां मिलीं। डॉ. सरीन ने आयुष्मान भारत में लिवर प्रत्यारोपण शामिल करने की मांग की। देश का हर तीसरा व्यक्ति फैटी लिवर से प्रभावित, बड़ी स्वास्थ्य चुनौती।

1,392 सफल लिवर प्रत्यारोपण कर चुका है, जबकि पिछले वर्ष 160 लिवर प्रत्यारोपण किए गए। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के तहत गुर्दा प्रत्यारोपण करने वाला आईएलबीएस एकमात्र संस्थान है, जहां अब तक 372 किडनी प्रत्यारोपण हो चुके हैं और इनमें 29 प्रतिशत लाभार्थी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से हैं। कई नए उच्च स्तरीय कोर्स भी शुरू किए उन्होंने यह भी बताया कि आईएलबीएस में देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय लिवर रोग बायोबैंक विकसित किया गया है, जिसमें 65 लाख जैविक नमूनों को संरक्षित करने की क्षमता है। संस्थान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग केंद्र, सेल थेरेपी यूनिट, डिजिटल पैथोलॉजी और कई नए उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। 'आयुष्मान भारत योजना में लिवर प्रत्यारोपण शामिल हो' डॉ. सरीन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया कि आयुष्मान भारत योजना में लिवर प्रत्यारोपण को भी शामिल किया जाए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने राष्ट्रीय फैटी लिवर नियंत्रण अभियान शुरू करने का भी सुझाव दिया। सुपर स्पेशियलिटी शिक्षा पर जोर जेपी नड्डा ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व विस्तार देखा है। उन्होंने नवस्नातकों से करुणा, संवेदनशीलता और उच्च नैतिक मूल्यों के साथ समाज की सेवा करने का आह्वान किया।

संपादकीय

वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामर्थ्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुडि?ा में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा।

चिंतन-मनन

उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै। वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता। इस विनम्रता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम अत्याचार और शोषण सहते जाएं। अर्जन देव के अनुसार उस परमशक्ति से स्वयं को एकाकार करने से निरभउ व निरवैर अर्थात निडरता व अशत्रुता का भाव पैदा होता है जो किसी भी गलत शक्ति के आगे झुकने से बचाती है। इसलिए अभिमान छोड़, विनम्रता की राह चलें। इससे हमारे विकास और बने रहने की संभावनाएं प्रबल रहती हैं। अभिमान हमारी मूर्खता को ही व्यक्ति करता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मयार्दा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

सोनम लववंशी

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मयार्दा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है।

कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मयार्दा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मयार्दा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है।

समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है।

राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मयार्दा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मयार्दा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा। सबसे बड़ा अपमान उन मूल्यों का होगा जिनके कारण राम युगों-युगों तक आदर्श बने रहे। समय की माँग स्पष्ट हैः श्रद्धा बनी रहे, किंतु उसके साथ साहस भी जुड़ा रहे; मंदिर खड़े रहें, लेकिन उनके साथ सत्य भी खड़ा रहे; दान आता रहे और उसके साथ सार्वजनिक लेखा-परीक्षा भी चलती रहे। क्योंकि अंततः राम की सबसे बड़ी पूजा दीप जलाने में नहीं, सार्वजनिक जीवन को मयार्दा, ईमानदारी और सत्य के प्रकाश से आलोकित करने में है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस - सफेद कोट में बसती है उम्मीद की सबसे बड़ी ताकत

योगेश कुमार गोयल

मानवता के सबसे बड़े जीवन-रक्षक को नमन...

चिकित्सकों के समाज के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करने तथा मेडिकल छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रतिवर्ष एक जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' मनाया जाता है। इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 'मुखौटे के पीछेः चिकित्सकों का उपचार कौन करता है?' (Behind the Mask: Who Heals the Healers?) विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय डॉक्टरों की भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक भलाई को स्वीकार करने और उसका समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें भी देखभाल और समर्थन की आवश्यकता है जबकि वे अपना जीवन दूसरों की देखभाल के लिए समर्पित करते हैं। वैसे चिकित्सक दिवस मनाने का मूल उद्देश्य चिकित्सकों की बहुमूल्य सेवा, भूमिका और महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक करना, चिकित्सकों का सम्मान करना और साथ ही चिकित्सकों को भी उनके पेशे के प्रति जागरूक करना है। दरअसल कुछ चिकित्सक ऐसे भी देखे जाते हैं, जो अपने इस सम्मानित पेशे के प्रति ईमानदार नहीं होते लेकिन ऐसे चिकित्सकों की भी कमी नहीं, जिनमें अपने पेशे के प्रति समर्पण की कमी नहीं होती। बिना चिकित्सा व्यवस्था के इंसान की जिंदगी कैसी होती, इसकी कल्पना मात्र से ही रोम-रोम सिहर जाता है। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में चिकित्सकों का महत्व सदा से रहा है और हमेशा रहेगा।

भारतीय समाज में चिकित्सकों को भगवान के समान दर्जा दिया गया है। हालांकि यह अलग बात है कि निजी अस्पतालों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि चिकित्सक लोगों को विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों से निजात दिलाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। भारत में चिकित्सक दिवस की स्थापना वर्ष 1991 में हुई थी। पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और जाने-माने चिकित्सक डा. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में चिकित्सकों की उपलब्धियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने वाले डॉक्टरों के सम्मान के लिए इसका आयोजन होता है। वे एक जाने-माने चिकित्सक, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और वर्ष 1948 से 1962 में जीवन के अंतिम क्षणों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में दुगार्पुर, बिधाननगर, अशोकनगर, कल्याणी तथा हबरा नामक पांच शहरों की स्थापना की थी। संभवतः इसीलिए उन्हें पश्चिम बंगाल का महान वास्तुकार भी कहा जाता है। कलकत्ता विश्वविद्यालय से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वर्ष 1911 में एमआरसीपी और एफआरसीएस की डिग्री लंदन से ली। उन्होंने एक साथ फिजिशयन और सर्जन की रॉयल कॉलेज की सदस्यता हासिल कर हर किसी को अपनी प्रतिभा से हतप्रभ कर दिया था। वर्ष 1911 में भारत में ही एक चिकित्सक के रूप में उन्होंने अपने चिकित्सा कैरियर की शुरूआत की। वे कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में शिक्षक नियुक्त हुए। वर्ष 1922 में वे कलकत्ता मेडिकल जनरल के सम्पादक और बोर्ड के सदस्य बने। 1926 में उन्होंने अपना पहला राजनीतिक भाषण दिया और 1928 में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य भी चुने गए। डा. बिधान चंद्र रॉय ने 1928 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के गठन और भारत की मेडिकल काउंसिल (एमसीआई) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई बड़े-बड़े पदों पर रहने के बाद भी वे प्रतिदिन गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज किया करते थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् उन्होंने अपना समस्त जीवन चिकित्सा सेवा को समर्पित कर दिया। बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं को आम जनता की पहुंच के भीतर लाने के लिए वे जीवन पर्यन्त प्रयासरत रहे। 4 फरवरी 1961 को उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1967 में दिल्ली में उनके सम्मान में डा. बी.सी. रॉय स्मारक पुस्तकालय की स्थापना हुई और 1976 में उनकी स्मृति में केन्द्र सरकार द्वारा डा. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई। संयोगवश डा. रॉय का जन्म और मृत्यु एक जुलाई को ही हुई थी। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को पटना में हुआ था और मृत्यु 1 जुलाई 1962 को हृदयाघात से कोलकाता में हुई थी।

भारत के अलावा दूसरे देशों में भी चिकित्सकों के सम्मान में ऐसे ही दिवस मनाए जाते हैं किन्तु वहां उनका आयोजन अलग-अलग तारीखों में होता है। वैसे चिकित्सक दिवस की शुरूआत सबसे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में हुई थी। वहां चिकित्सकों के सम्मान के लिए एक दिन निश्चित करने का सुझाव जॉर्जिया निवासी डा. चार्ल्स बी एलमंड की पत्नी यूडोरा ब्राउन एलमंड ने 30 मार्च 1933 को दिया था। 30 मार्च 1958 को यूएस के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने उनके उस सुझाव को स्वीकार करते हुए यह दिवस मनाना शुरू किया। वहां इसके लिए 30 मार्च की तारीख इसलिए रखी गई क्योंकि जॉर्जिया में इसी दिन डा. क्राफोर्ड डब्ल्यू लोंग ने पहली बार ऑपरेशन के लिए एनेस्थीसिया का उपयोग किया था। जहां अमेरिका में 30 मार्च को चिकित्सक दिवस मनाया जाता है, वहीं वियतनाम में इसकी स्थापना 28 फरवरी 1955 को हुई थी और वहां तभी से 28 फरवरी को या उसके आसपास वाले किसी दिन यह दिवस मनाया जाता है। ब्राजील में महान चिकित्सक रहे कैथोलिक चर्च के सेंट ल्यूक के जन्मदिवस के अवसर पर 18 अक्तूबर

को जबकि क्यूबा में पीले बुखार पर शोध करने वाले चिकित्सक कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिवस 3 दिसम्बर को यह दिवस मनाया जाता है। नेपाल में यह दिवस नेपाल मेडिकल एसोसिएशन की स्थापना के बाद 4 मार्च को तथा ईरान में महान चिकित्सक एविसेना के जन्मदिवस के अवसर पर 23 अगस्त को मनाया जाता है।

बहरहाल, चूंकि चिकित्सकों को पृथ्वी पर भगवान का रूप माना गया है, इसलिए समाज की भी उनसे यही अपेक्षा रहती है कि वे अपना कर्त्तव्य ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। हालांकि निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों पर मरीजों और उनके परिजनों के साथ लापरवाही और लूट के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। दरअसल निजी चिकित्सा तंत्र मुनाफाखोरी के व्यवसाय में परिवर्तित हो चुका है लेकिन फिर भी इस दीगर सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि कोरोना हो या कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मधुमेह इत्यादि कोई भी बीमारी, छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियों से चिकित्सक ही करोड़ों लोगों को उबारते हैं। चूंकि चिकित्सक प्रायः मरीज को मौत के मुंह से भी बचाकर ले आते हैं, इसीलिए चिकित्सकों को भगवान का रूप माना जाता रहा है। चिकित्सा केवल पैसा कमाने के लिए एक पेशा मात्र नहीं है बल्कि समाज के कल्याण और उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसीलिए चिकित्सक को सदैव सम्मान की नजर से देखने वाले समाज के प्रति उनसे भी समर्पण की उम्मीद की जाती है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के

भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

बछरायूं पुलिस ने चोरी की घटना में शामिल 03 लोगों को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी किया हुआ सरिया बरामद

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं पुलिस ने चोरी की घटना में शामिल तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी किया हुआ 3 कुंटल सरिया बरामद किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अपराध से संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। बता दें कि पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के क्रम में किया गया है। इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक 13 जून 2026 को थाना बछरायूं पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग एवं शांति व्यवस्था ड्यूटी के दौरान तीन शातिर किस्म के चोर शबाब उर्फ सब्बू पुत्र इदरीश निवासी कस्बा व थाना बछरायूं जनपद अमरोहा, आजम पुत्र फहीमुद्दीन निवासी कस्बा व थाना बछरायूं एवं बाबू पुत्र मेहदी हसन निवासी कस्बा व थाना बछरायूं जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के पश्चात पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में उन्होंने एक ही स्वर में बताया कि हम मेहनत मजदूरी करने वाले लोग हैं एक जगह यह सरिया हमें पड़ा हुआ दिखाई दिया तो 27 जून 2026 को हम तीनों ने मिलकर यह सरिये का बंडल चोरी कर लिया था और हम लोग इस सरिये को गिरफ्तार अभियुक्त बाबू की दुकान पर ले जा रहे थे तभी आपने हमें पकड़ लिया।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ अपराध से संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

आर्म्स एक्ट के तहत पुलिस ने एक नफर अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की थाना बच रही है पुलिस ने आर्म्स एक्टके तहत कार्यवाही करते हुए एक नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से पुलिस ने एक अवैध तमंचा 315 बोर एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया है। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ अपराध से संबंधित वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है पुलिस द्वारा की गई इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार जनपद भर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में क्या है। बता दें कि थाना बछरायूं पुलिस द्वारा मंगलवार को गस्त के दौरान संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग एवं शांति व्यवस्था ड्यूटी के दौरान थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन शेरपुर हाल्ट रोड स्थित आम के बाग के सामने से अनजान पुत्र अनवार निवासी मौहल्ला कानूनगोयान कस्बा व थाना बछरायूं ,जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक अवैध तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया। इस मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त से की गई पूछताछ में उसने बताया कि वह घूमने के लिए गया था तो रास्ते में उसे एक अनजान व्यक्ति मिला जिसने उसे यह तमंचा दिखाकर कहा कि उसे पैसों की जरूरत है और वह इस तमंचे को बेचना चाहता है तो मैंने उससे यह तमंचा कुछ पैसे देकर खरीद लिया था। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

युवा प्रियांशु ने पत्रकार ओमपाल सिंह प्रजापति के पुत्र मनीष के लिए रक्तदान कर उनकी मदद की

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- मानवता और सामाजिक सरोकार की एक प्रेरणादायक मिसाल उस समय देखने को मिली जब युवा प्रियांशु ने पत्रकार ओमपाल सिंह प्रजापति के पुत्र मनीष के लिए रक्तदान कर उनकी मदद की। बताया जाता है कि मनीष पिछले कई दिनों से मुरादाबाद के एक अस्पताल में भर्ती हैं और उपचार के दौरान उन्हें तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। सूचना मिलते ही प्रियांशु बिना किसी देर किए अस्पताल पहुंचे और स्वेच्छा से रक्तदान कर मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। परिजनों ने प्रियांशु के इस मानवीय कार्य के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिला रक्त किसी के लिए नया जीवन साबित हो सकता है।

क्षेत्र के लोगों ने भी युवा के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। समाजसेवियों ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन की डोर बन सकता है। युवाओं को आगे आकर नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करना चाहिए ताकि जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।

यातयात पुलिस की तत्परता से युवक को मिला खोया मोबाइल, पीड़ित ने जताया आभार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- बहजोई में ड्यूटी के दौरान पुलिस की तत्परता से एक युवक का गाड़ी में छूटा मोबाइल कुछ ही देर में वापस मिल गया। पुलिस की सक्रियता से युवक को राहत मिली और उसने पुलिस का आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार हेड कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह एवं कांस्टेबल आकाशदीप मौर्य खाटू श्याम क्रॉसिंग, बहजोई पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक घबराई हुई अवस्था में उनके पास पहुंचा और बताया कि उसका मोबाइल फोन एक वाहन में छूट गया है। युवक की बात सुनते ही दोनों पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसके मोबाइल नंबर पर कॉल किया। कॉल रिसीव होने पर वाहन चालक से संपर्क स्थापित किया गया और उसे मोबाइल के संबंध में जानकारी दी गई। पुलिस के त्वरित प्रयासों के चलते वाहन चालक ने मोबाइल सुरक्षित होने की पुष्टि की और उसे वापस कर दिया। कुछ ही देर में युवक को उसका मोबाइल सकुशल मिल गया। मोबाइल मिलने पर उसने यातायात पुलिस की तत्परता और सहयोग की सराहना करते हुए हेड कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह एवं कांस्टेबल आकाशदीप मौर्य का आभार व्यक्त किया। पुलिस की इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने भी प्रशंसा की।

धनौरा में सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मांगें पूरी न होने पर चक्का जाम करने की दी चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में क्षेत्र के किसानों ने प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर एक ज्ञापन एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को सौंपा। जिसमें उन्होंने नाराजगी जताते हुए सरकार से तय किए गए कम सर्किल रेट और भविष्य में आजीविका छीनने की आशंका से अपनी मांगों को उठाया।इस दौरान उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि मांगे पूरी नहीं हुई तो वह चक्का जाम और आन्दोलन करेंगे। बता दें कि किसानों ने ज्ञापन में बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे के लिए उनकी कीमती और उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। उनका आरोप है कि प्रशासन द्वारा तय किया गया सर्किल रेट बाजार मूल्य से काफी कम है। किसानों का कहना है कि यह कृषि भूमि ही उनकी रोजी-रोटी का एकमात्र साधन है। कम मुआवजे पर जमीनें लेने से वे भविष्य में अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं कर पाएंगे और न ही कहीं और जमीन खरीद पाएंगे।किसानों ने अपनी चार प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू होने से पहले पूरे प्रभावित क्षेत्र का दोबारा सर्वेक्षण कराना, बाजार मूल्य के अनुरूप सर्किल रेट में पर्याप्त बढ़ोतरी करना, भूमि गंवाने वाले प्रत्येक किसान परिवार के कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना और तहसील धनौरा के संबंधित गांवों के सर्किल रेट में संशोधन होने तक आगे की कार्रवाई पर रोक लगाना शामिल है।इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में सन्तपाल, जोगेंद्र सिंह आर्य, दिगराज सिंह, राजीव कुमार, कल्याण सिंह, सुभाष, हरपाल सिंह, गुरुदेव सिंह, रमेश सिंह, सुरेश सिंह, शैलेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, सतेन्द्र गिल, अनूप सिंह, सुखदेव सिंह, निरंकार सिंह, सुधीर, विजयवीर, राम सिंह, जयबिन्द्र सिंह, देवानन्द, नरदेव सिंह, दीपा, इन्द्रपाल सिंह, धीरेन्द्र सिंह और अनिकेत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति पर सम्मानित हुए सीएचसी कर्मी राजाराम, विधायक ने किया अभिनंदन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हसनपुर में सोमवार को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजाराम के सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हसनपुर विधायक महेन्द्र सिंह खड़गवंशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक खड़गवंशी ने राजाराम को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राजाराम ने अपने लंबे सेवाकाल में पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ स्वास्थ्य विभाग की सेवा की है। समाज के प्रति अपने दायित्वों का उन्होंने उत्कृष्ट निर्वहन किया है। उनके कार्य एवं सेवाभाव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। समारोह में हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, मनोनीत सभासद एवं मंडल उपाध्यक्ष अजय पाल सिंह, सीएचसी चिकित्साधिकारी ध्रुवेन्द्र सिंह, मनोज जोशी, केसी पाठक, पूर्व चिकित्सा अधिकारी सनपुर, खढ सिंह, विजय पारछा, डॉक्टर महेश सिंह, राकेश कुमार, सभासद पति पप्पू सिंह, रिंकू सिंह, सनमपाल सिंह, विक्की चंद्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने राजाराम के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

रजबपुर क्षेत्र में अवैध शस्त्र बनाने वाली फैक्ट्री का पदार्फाश

मौके से एक आरोपी गिरफ्तार,8 तमंचे व हथियार बनाने के उपकरण बरामद

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की रजबपुर थाना पुलिस ने अवैध शस्त्र बनाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्र के गांव कालाखेड़ा के पास एक खंडहर में चल रही अवैध शस्त्र बनाने वाली फैक्ट्री का पदार्फाश करते हुए मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है साथ ही पुलिस ने 8 देसी तमंचे,तीन कारतूस सहित हथियार बनाने के उपकरण भी बरामद किए हैं। हालांकि कार्यवाही के दौरान मौके से अन्य आरोपी फरार हो गए जिनकी तलाश में पुलिस प्रयासरत है। बता दें कि रजबपुर थाना पुलिस ने मौके से आरोपी मनफूल पुत्र जबर सिंह निवासी ग्राम हैबतपुर, थाना रजबपुर, जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया है। जबकि उसका साथी शकील निवासी ग्राम सैदपुर इम्मा,थाना नौगांवा सादात ,जनपद अमरोहा मौके से फरार होने में कामयाब रहा जिसकी तलाश के लिए पुलिस प्रयासरत है।फैक्ट्री से आठ तैयार तमंचे, कई अधबने तमंचे, हथियार बनाने के उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की गई है। शुरूआती जांच में पता चला है कि यहां तैयार किए गए अवैध हथियारों की आपूर्ति अमरोहा समेत आसपास के जिलों में की जाती थी।मंगलवार दोपहर मामले का खुलासा करते हुए एसपी लखन सिंह यादव ने इस सफलता पर टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी और इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

मिनी नंदिनी योजना के तहत लाभार्थी राजपाल सिंह ने किया डेयरी का उद्घाटन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी लोकहितकारी योजना नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मिनी नंदिनी योजना के तहत जनपद अमरोहा के लाभार्थी राजपाल सिंह की डेयरी का उद्घाटन किया गया। हसनपुर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने आज हसनपुर तहसील के ग्राम करनपुर में स्थित राजपाल सिंह की मिनी नंदिनी डेयरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. चमन प्रकाश, डॉ. चंद्रजीत, डॉ. विजेंद्र सिंह, अतुल गुप्ता, भोज राम सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राजपाल सिंह ने योजना के अंतर्गत उन्नत भारतीय नस्ल साहिवाल गायें खरीदी हैं, जिन पर 50 प्रतिशत सरकारी सब्सिडी प्राप्त हुई है। वर्तमान में उनकी डेयरी में 10 स्वदेशी गायों से प्रतिदिन 1 क्विंटल 20 लीटर शुद्ध गाय का दूध उत्पादित हो रहा है। यह उपलब्धि योजना की सफलता को दशार्ती है।नंद बाबा दुग्ध मिशन के तहत ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने और शुद्ध दूध उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य है। योजना के माध्यम से लाभार्थियों को स्वदेशी गायों की खरीद पर अच्छी सब्सिडी दी जा रही है। जिलाधिकारियों ने बताया कि इच्छुक लाभार्थी 21 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। इस योजना से स्थानीय स्तर पर दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

उद्घाटन समारोह में सभी ने योजना की सराहना की और अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ने का आह्वान किया।

अमरोहा में यातायात अभियान: एक दिन में 700 चालान, 13 लाख जुमार्ना

ओवरस्पीड के 525 वाहन, नो एंट्री में भारी जुमार्ना, जून में 2.38 करोड़ वसूले

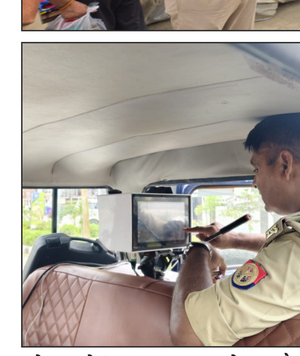

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में ह्यसुरक्षित सफर, जिम्मेदार चालकह्न अभियान के तहत सोमवार को जिले भर में विशेष जांच चलाई गई। 30 जून को एक दिन में 700 चालान कर 13 लाख रुपये जुमार्ना लगाया गया। इसमें ओवरस्पीड के 525 चालान पर 10.08 लाख रुपये जुमार्ना शामिल है। नो एंट्री में आने वाले बड़े वाहनों पर भी भारी जुमार्ना लगाया गया। यातायात पुलिस व स्थानीय पुलिस ने 1 से 30 जून तक बाजारों, प्रमुख मार्गों व सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाया। दोपहिया चालकों को हेलमेट, चारपहिया चालकों को सीट बेल्ट, मोबाइल पर प्रतिबंध, ओवरलोडिंग न करने और संकेतकों के पालन के लिए जागरूक किया गया। पुलिस ने बताया कि जून माह में कुल 11,405 चालान किए गए और 55 वाहन सीज किए गए। कुल 2.38 करोड़ रुपये जुमार्ना लगाया गया। 16 से 30 जून तक ट्रक-डंपरों पर विशेष कार्रवाई में 263 चालान कर एक वाहन सीज किया गया और 21.46 लाख रुपये जुमार्ना लगाया गया। पुलिस ने अपील की कि यातायात नियमों का पालन कानूनी दायित्व के साथ जीवन सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है।

वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती पर सपा कार्यकताओं ने उन्हें किया याद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर मंगलवार को जिला संभल समाजवादी पार्टी द्वारा वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। बहजोई में आयोजित बैठक में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके अद्वितीय साहस और बलिदान को याद किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी अमर वीरांगना थीं, जिनकी बहादुरी ने अंग्रेजी हुकूमत को भी हैरान कर दिया था। उन्होंने बताया कि लखनऊ के निकट उजरियांव गांव में जन्मी ऊदा देवी बेगम हजरत महल की महिला सैनिक टुकड़ी की सदस्य थीं। पति मक्का पासी के शहीद होने के बाद उन्होंने अंग्रेजों से बदला लेने का संकल्प लिया और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि 16 नवंबर 1857 को लखनऊ के सिकंदर बाग में हुए ऐतिहासिक युद्ध के दौरान ऊदा देवी ने पुरुष वेश धारण कर पीपल के पेड़ पर चढ़कर अंग्रेज सैनिकों पर गोलियां बरसाईं। उन्होंने अकेले ही 30 से अधिक ब्रिटिश सैनिकों को मार गिराया। जब अंग्रेज अधिकारियों को यह पता चला कि पेड़ से गोलियां चलाने वाला कोई पुरुष नहीं बल्कि एक महिला है, तब वे भी उनकी वीरता से स्तब्ध रह गए। अंततः अंग्रेजों की गोली लगने से वह वीरगति को प्राप्त हुईं, लेकिन उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमर हो गया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि अंग्रेज इतिहासकार विलियम होवार्ड रसेल ने भी अपनी डायरी में ऊदा देवी की वीरता का उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि पेड़ से गिरने वाली योद्धा एक महिला थी, जिसके पास गोलियों से भरी पेटी और पुरानी बंदूक थी। उनकी असाधारण वीरता से प्रभावित होकर ब्रिटिश अधिकारियों ने भी उन्हें सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि आज लखनऊ के सिकंदर बाग में स्थापित उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और साहस की प्रेरणा देती है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी दलित समाज से आने वाली पहली महिला स्वतंत्रता सेनानियों में शामिल थीं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके संघर्ष, साहस और राष्ट्रभक्ति को सदैव स्मरण रखा जाएगा।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान, जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका, निसार अहमद, नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरैशी, व्यापार सभा के नगर अध्यक्ष चेतन गुप्ता, अशोक गुप्ता, आसिफ मोहम्मद, चेतन राणा, राजू खड़कवंशी, मोहम्मद शाहबाज खान, एपी यादव, ओमवीर खड़कवंशी, पप्पू शर्मा, मुर्शिद खान, नजाकत अली, एसपी बिलाल, मोबीन सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्भलोत्सव फैशन शो में नन्हे सितारों का जलवा, बेबी बेदाशी बनीं प्रिंसेज सम्भल

सम्भल (सब का सपना):- सांस्कृतिक संस्था प्रेम संदेश द्वारा डी.के. रिसोर्ट, मंडी किशन दास सराय में रंगारंग सम्भलोत्सव फैशन शो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फैशन शो, डांस प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बच्चों और प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन पर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिव ओम गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय कुमार गुप्ता सर्राफ ने की। इस अवसर पर उन्होंने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुशील भगत, अजय शर्मा, अनंत अग्रवाल एवं सरदार कुलवीर सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बेबी फैशन शो प्रिंस एवं प्रिंसेज सम्भल रहा। नन्हे प्रतिभागियों ने आकर्षक परिधानों और आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए दर्शकों ने लगातार तालियां बजाकर उनका मनोबल बढ़ाया। प्रतियोगिता में प्रिंसेज सम्भल का ताज बेबी बेदाशी के सिर सजा, जबकि बेबी मिष्टी कोहली प्रथम रनर-अप और बेबी एकता द्वितीय रनर-अप रहीं। वहीं प्रिंस सम्भल का खिताब मास्टर कार्तिक रावत ने अपने नाम किया। इसी तरह मिस सम्भल ब्यूटी क्वीन प्रतियोगिता में देवयानी शर्मा विजेता घोषित हुईं। आस्था रस्तोगी प्रथम रनर-अप तथा पाखी ठाकुर द्वितीय रनर-अप चुनी गईं। अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डांस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आयु वर्ग एवं विभिन्न समूहों के आधार पर विभाजित किया गया। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि अन्य बच्चों को सांत्वना पुरस्कार और मेडल देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में रेनू चौधरी, सिमरन गुलाटी, लवली, राखी, पूजा, लक्ष्मी, मोना, मधुलिका सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का मूल्यांकन ताप्सी, प्रेमलता मित्तल एवं अन्य निर्णायकों ने किया। मंच संचालन सरिता गुप्ता ने किया, जबकि संस्था की अध्यक्षा मंजू रावत ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विभागीय परीक्षा में सफलता पर रविन्द्र कुमार सिंह बने सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक)

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस कार्यालय बहजोई में मंगलवार को विभागीय परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर पुलिस लाइन में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रविन्द्र कुमार सिंह को सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) पद पर पदोन्नत किए जाने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत ने रविन्द्र कुमार सिंह को पदोन्नति का बैच लगाकर शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पदोन्नति कर्मठता, लगन और मेहनत का परिणाम होती है तथा इससे अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

रविन्द्र कुमार सिंह ने विभागीय परीक्षा में सफलता प्राप्त कर चतुर्थ श्रेणी पद से सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) के पद तक का सफर तय किया। इस उपलब्धि पर पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

गुरू स्वीट्स पर खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, नमूने जांच को भेजे

सम्भल(सब का सपना):- आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापरक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने सोमवार को शहर के आर्य समाज रोड स्थित गुरू स्वीट्स पर छापेमार कार्रवाई की। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश, लखनऊ के आदेश तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग के प्रवर्तन दल ने दुकान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान प्रतिष्ठान में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। इसके अलावा कार्यरत कर्मचारी बिना ग्लव्स, एप्रन और हेडगियर के खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं संचालन करते मिले, जो खाद्य सुरक्षा मानकों के विपरीत है। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में मानव उपभोग एवं सार्वजनिक बिक्री के लिए रखी गई रसमलाई और बूंदी के लड्डू में मिलावट की आशंका होने पर दोनों खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मौके पर मिली कमियों को गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 की धारा 32 के तहत प्रतिष्ठान संचालक को सुधार नोटिस जारी किया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाद्य कारोबारियों से खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की अपील की है।

जेल पहुंचे जनपद न्यायाधीश, डीएम और एसपी, बंदियों की सुनीं समस्याएं

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद न्यायाधीश विदूषी सिंह, जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने मंगलवार को जिला कारागार मुरादाबाद का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरकों, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था, चिकित्सीय सुविधाओं तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। इसके साथ ही कारागार के अभिलेखों एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की भी जांच की गई। अधिकारियों ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं और शिकायतें सुनीं तथा उनके त्वरित एवं नियमानुसार निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही कारागार की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को कारागार प्रशासन में सतर्कता, अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने तथा शासन के निर्देशों का प्रभावी ढंग से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

सरकारी जमीन बेचने का किसी को अधिकार नहीं, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई:- एसपी कृष्ण कुमार

101 करोड़ की सरकारी जमीन घोटाला, फर्जी नामांकन से बेची गई 38 बीघा ग्राम समाज की भूमि

सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में करीब 38 बीघा ग्राम समाज की भूमि (अनुमानित कीमत लगभग 101 करोड़ रुपये) की कथित अवैध बिक्री के मामले में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि सरकारी जमीन को बेचने का अधिकार न तो चकबंदी अधिकारियों को है और न ही नगर पालिका को। मामले में अभियोग दर्ज कर जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कस्बा सम्भल के मुरादाबाद रोड स्थित सरकारी भूमि को कुछ वर्ष पहले नगर पालिका और चकबंदी विभाग के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से खुर्द-बुर्द कर दिया गया। इस संबंध में कुछ समय पहले जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि करीब 101 करोड़ रुपये मूल्य की 38 बीघा सरकारी भूमि को नियमों के विपरीत औने-पौने दामों में बेच दिया गया। एसपी के अनुसार जांच में सामने आया कि 15 फरवरी 2008 को कथित रूप से फर्जी तरीके से सईदुल रहमान नामक व्यक्ति के नाम पर नामांकन किया गया। आरोप है कि यह कार्रवाई तत्कालीन उप संचालक चकबंदी के स्तर से कराई गई। बाद में इस मामले में उच्च न्यायालय में अपील दायर की गई, लेकिन उस समय के तत्कालीन अधिशासी अधिकारी (ईओ) द्वारा नोटिस दबा दिया गया, जो प्रथम दृष्टया मिलीभगत की ओर संकेत करता है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान अब तक 31 लोगों द्वारा उक्त भूमि की खरीद किए जाने की जानकारी सामने आई है। मामले में नगर पालिका की संलिप्तता भी प्रकाश में आई है। सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य आरोपितों की भूमिका की जांच की जा रही है और उनके विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने स्पष्ट कहा कि सरकारी भूमि सार्वजनिक संपत्ति है और उसे बेचने का अधिकार किसी भी व्यक्ति या विभाग को नहीं है। सरकारी संपत्तियों के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता या धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीबीआरसेटी में असिस्टेंट बुककीपर प्रशिक्षण बैच का समापन

प्रशिक्षण के अंतिम चरण में प्रशिक्षुओं का हुआ अंतिम मूल्यांकन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सीबीआरसेटी), बहजोई में 19 मई से संचालित असिस्टेंट बुककीपर प्रशिक्षण बैच का मंगलवार को अंतिम मूल्यांकन एवं समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन ईडीपी असेसर अजीत कुमार (हाथरस) एवं डोमेन असेसर मोहम्मद शकील (सम्भल) ने किया। इस दौरान ऑनलाइन परीक्षा और मौखिक प्रश्नोत्तर के माध्यम से प्रशिक्षुओं की विषयगत जानकारी तथा व्यावहारिक दक्षता का आकलन किया गया। मूल्यांकनकताओं ने प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अर्जित ज्ञान और कौशल का उपयोग स्वरोजगार एवं रोजगार के क्षेत्र में करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान द्वारा प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिभागियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के साथ भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। मेस के माध्यम से सभी प्रशिक्षुओं के लिए नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की समुचित व्यवस्था की गई। समापन अवसर पर प्रशिक्षुओं ने कहा कि प्रशिक्षण से उन्हें लेखांकन एवं कार्यालयी कार्यों से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई, जो उनके रोजगार और स्वरोजगार के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

उन्होंने संस्थान और प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षुओं, मूल्यांकनकताओं एवं संस्थान के अधिकारियों ने सामूहिक ग्रुप फोटो खिंचवाकर इस अवसर को यादगार बनाया। संस्थान के अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसरों के द्वार खोलेगा और वे अपने कौशल के बल पर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

डीएम और एसपी ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मंगलवार को सम्भल के शहजादी सराय स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं रखरखाव व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में साफ-सफाई, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता तथा लॉग बुक का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने ईवीएम स्टोर कक्ष का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का परीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे तथा सभी अभिलेखों का नियमित रूप से संधारण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से संबंधित सामग्री की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, नगर पालिका सम्भल के अधिशासी अधिकारी आदित्य प्रकाश, भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस एवं बहुजन समाज पार्टी के जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ड्यूटी से लौट रहे होमगार्ड की बाइक के सामने आया कुत्ता, सड़क पर गिरकर घायल

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में ड्यूटी पूरी कर अपने घर लौट रहे एक होमगार्ड मंगलवार शाम सड़क हादसे का शिकार हो गए। रास्ते में अचानक बाइक के सामने कुत्ता आ जाने से संतुलन बिगड़ गया और बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में होमगार्ड घायल हो गए। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस की सहायता से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताते हुए घर भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बलबीर सिंह (55) पुत्र शिवलाल सिंह, निवासी ग्राम धनारी, थाना धनारी, होमगार्ड विभाग में तैनात हैं। मंगलवार को उनकी ड्यूटी बहजोई में लगी थी। शाम को ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह गांव खजरा खाकम के निकट पहुंचे, तभी अचानक एक कुत्ता उनकी बाइक के सामने आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में बलबीर सिंह बाइक से संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर पड़े। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस की मदद से उन्हें सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया और आवश्यक जांच के बाद उनकी हालत सामान्य बताई। चिकित्सकों की सलाह पर उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। घटना के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली कि समय रहते उपचार मिलने से कोई बड़ा हादसा टल गया।

खबर एक्सप्रेस

बेटे की टांग में घाव नहीं देख पाई मां, फंदा लगाकर दी जान; चंडीगढ़ सेक्टर-28 के सरकारी क्वार्टर की घटना

चंडीगढ़। सेक्टर-28 स्थित सरकारी क्वार्टर में मंगलवार सुबह 45 वर्षीय महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सीमा देवी अपने बेटे की टांग पर हुए गहरे घाव की वजह से परेशान थी। सीमा के पति सुरेश कुमार सरकारी कर्मचारी हैं और परिवार के साथ सेक्टर-28 के सरकारी क्वार्टर में रहते हैं। मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे सीमा देवी की बेटी आरती ठाकुर घबराई हुई पड़ोसी विक्रम के घर पहुंची और बताया कि उसकी मां ने कमरे में फंदा लगा लिया है। पड़ोसी उनके घर पहुंचे। तब तक सीमा के पति सुरेश कुमार और बेटा रितेश उन्हें फंदे से नीचे उतार चुके थे। इसके बाद तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि सीमा देवी पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थीं। विज्ञापन हटाएँसिर्फ़ खबर पढ़ेंउनके बेटे रितेश की टांग में गंभीर घाव होने के कारण उसका ऑपरेशन हुआ था। बेटे की सेहत को लेकर वह लगातार तनाव में रहती थीं। प्राथमिक तौर पर इसी मानसिक परेशानी को आत्महत्या का कारण माना जा रहा है।पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चंडीगढ़ नगर निगम में बिटुमिन का संकट, सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य थमा; बारिश में बढ़ेंगी मुश्किलें

चंडीगढ़। नगर निगम क्षेत्र में सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य बहुत धीमी गति से या हो ही नहीं रहा है। सोमवार को नगर निगम की जनरल हाउस बैठक में इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के पार्षदों ने सवाल उठाए। पूर्व मेयर अनूप गुप्ता ने निगम अधिकारियों से पूछा कि सदन से बड़ी संख्या में सड़क निर्माण के टेंडर मंजूर कराए गए, लेकिन शहर में कहीं भी निगम की सड़कें बनती नजर नहीं आ रहीं। उन्होंने सवाल किया कि जब यूटी प्रशासन की ओर से वी-3 सड़कें बनाई जा रही हैं तो निगम की सड़कें क्यों नहीं बन पा रहीं।
इस पर नगर निगम के चीफ इंजीनियर ने बताया कि पिछले कुछ समय से बिटुमिन की उपलब्धता अनिश्चित बनी हुई है। इसी कारण सड़क निर्माण और रीसर्फेसिंग के कई कार्य निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही पर्याप्त मात्रा में बिटुमिन उपलब्ध होगा, लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाएगा।अनूप गुप्ता ने अधिकारियों के जवाब पर असंतोष जताते हुए कहा कि यूटी प्रशासन की वी-3 सड़कें बन रही हैं, जबकि निगम की सड़कों पर काम पूरी तरह ठप है। उन्होंने कहा कि दोनों विभागों के कई ठेकेदार एक ही हैं।सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर धर्मेंद्र शर्मा ने क्या कहा?
यदि ठेकेदार प्रशासन के लिए काम कर सकता है तो निगम के लिए क्यों नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्षदों को अपने वार्डों के स्वीकृत कार्य शुरू कराने के लिए बार-बार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस पर सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि अब कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। पांच-पांच वार्डों के पार्षदों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित होंगी, जिनमें उनके क्षेत्र के सभी लंबित और प्रस्तावित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पहली बैठक बुधवार को होगी और इसके बाद प्रत्येक बुधवार और शनिवार को नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी ताकि कार्यों में तेजी लाई जा सके। नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने भी माना कि सड़क निर्माण में देरी हुई है। उन्होंने बताया कि पहले चरण के तहत लगभग 250 किलोमीटर सड़कों का कार्य पूरा किया जा चुका है। अब यह भी जांच की जाएगी कि यदि वही ठेकेदार यूटी प्रशासन की सड़कें बना रहा है तो निगम के कार्य क्यों लंबित हैं। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि निगम का उद्देश्य लंबित परियोजनाओं को जल्द पूरा करना है और सड़क निर्माण से जुड़े सभी अवरोधों की समीक्षा कर उनका समाधान निकाला जाएगा। बारिश के मौसम में और बढ़ सकती है देरी नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार सड़क निर्माण के लिए बिटुमिन की कमी पहले से ही काम प्रभावित कर रही है। अब मानसून सक्रिय होने के कारण स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है। लगातार बारिश के दौरान नई बिटुमिन सड़कें बिछाना तकनीकी रूप से उचित नहीं माना जाता, क्योंकि गीली सतह पर डामर की गुणवत्ता प्रभावित होती है और सड़क की उम्र कम हो सकती है। ऐसे में जिन सड़कों का निर्माण या रीसर्फेसिंग अभी तक शुरू नहीं हो सकी है, उनके कार्यों में बारिश के दौरान और देरी होने की संभावना है। मौसम सामान्य होने के बाद ही अधिकांश लंबित सड़क परियोजनाओं पर गति आने की उम्मीद है।

'जब तक पंजाब नशामुक्त नहीं होता, ढील बर्दाश्त नहीं...',सीएम भगवंत मान ने डीसी-एसएसपी को दिए कड़े निर्देश

बठिंडा। पंजाब में चल रहे युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बीते सोमवार डिप्टी कमिश्नरों, पुलिस कमिश्नरों तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि जब तक पंजाब नशे की बुराई से पूरी तरह मुक्त नहीं हो जाता, तब तक इस अभियान को और अधिक तेज किया जाए। विलेज डिफेंस कमेटियों के कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान ने नशों की सप्लाई लाइन तोड़ने और बड़े तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचाने में सफलता हासिल की है, जिससे नशे के अभिशाप की कमर टूट गई है।उन्होंने कहा कि इस अभियान में किसी भी प्रकार की ढील नहीं बरती जानी चाहिए तथा जमीनी स्तर पर अधिक सशक्त कार्रवाई, अधिक जनभागीदारी और गांवों में विश्वास बहाली के प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि इस गति को बनाए रखते हुए नशों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की जा सके।बैठक के कुछ अंश साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर लिखा, आज बठिंडा के लेक व्यू गेस्ट हाउस से मैंने युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान के अंतर्गत सभी डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।सभी अधिकारियों को नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। हमारी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। पंजाब की युवा पीढ़ी को बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आइए, हम सभी मिलकर पंजाब को नशामुक्त बनाएं और राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, की सप्लाई लाइन पहले ही तोड़ी जा चुकी है और इस घिनौने अपराध में शामिल बड़े तस्करों को सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। इस अभियान की गति को बनाए रखना होगा और समय की मांग है कि इसे तब तक और तेज किया जाए, जब तक पंजाब पूरी तरह नशामुक्त नहीं हो जाता।

पंजाब में महिला ने की अपने तीन बच्चों की हत्या; मोहाली से मेले में घुमाने का कह घर से निकली मां, रोपड़ नहर में दिया धक्का

मोहाली। पंजाब में एक महिला ने अपने तीन बच्चों की हत्या कर दी। पति की मौत के गम से जूझ रही मोहाली के मटौर की रहने वाली महिला अपने तीन बच्चों 10 वर्षीय तपिश, 7 वर्षीय तनवी और 4 वर्षीय नितिन को मेले में घुमाने का बहाना बनाकर घर से निकली। कुछ घंटों बाद सूचना मिली कि बच्चों को रोपड़ नहर में धक्का दे दिया गया। दो बच्चों के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि तीसरे की तलाश जारी है। महिला शकुंतला पुलिस हिरासत में है और मामले की जांच चल रही है।शकुंतला की सास लाल कौर ने बताया कि सोमवार सुबह उनकी बहू शकुंतला तीनों बच्चों को यह कहकर घर से ले गई थी कि वह उन्हें मेले में घुमाने ले जा रही है। उसने यह भी कहा था कि बच्चों को थार गाड़ी का खिलौना (थार गाड़ी खिलाना) दिलाकर लाएगी।परिजनों के अनुसार, कुछ समय बाद सूचना मिली कि शकुंतला ने अपने तीनों बच्चों को रोपड़ नहर में धक्का दे दिया। इस घटना में दो बच्चों के शव बरामद कर लिए गए

हैं, जबकि तीसरे बच्चे की तलाश के लिए पुलिस और बचाव दल का अभियान जारी है। लाल कौर ने बताया कि करीब 10 महीने पहले शकुंतला के पति की मौत हो गई थी। इसके बाद वह गहरे सदमे में रहने लगी थी। उसने पहले भी पति की मौत के दुख में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन समय रहते उसे बचा लिया गया था। आटोपित महिला की पड़ोसन लालवती ने बताया कि घटना के समय घर के बड़े सदस्य काम पर गए हुए थे। किसी को इस बात का अंदेशा नहीं था कि बच्चों को घुमाने के बहाने निकली महिला ऐसा कदम उठा लेगी। मटौर थाना के एसएचओ अमनदीप सिंह ने बताया कि सोमवार को सूचना मिली थी कि एक महिला ने अपने तीन बच्चों को रोपड़ नहर में धक्का दे दिया है।
पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। दो बच्चों के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि तीसरे बच्चे की तलाश जारी है। महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

चंडीगढ़ में 20 साल बाद भी कागजों से बाहर नहीं आया NIHEA, सात करोड़ सालाना की परियोजना फाइलों में अटकी

चंडीगढ़। देश में आधुनिक अस्पतालों की बढ़ती जरूरत के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए विशेषज्ञ इंजीनियर और आर्किटेक्ट तैयार करने की महत्वाकांक्षी योजना दो दशक बाद भी शुरू नहीं हो सकी। वर्ष 2006 में पीजीआइ में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थकेयर इंजीनियरिंग एंड आर्किटेक्चर (एनआइएचईए) स्थापित करने की घोषणा हुई थी। उम्मीद थी कि यहां ऐसे विशेषज्ञ तैयार होंगे, जो भविष्य के अस्पतालों की बेहतर डिजाइन, सुरक्षित निर्माण और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की योजना बना सकेंगे। लेकिन 20 साल बाद भी यह परियोजना केवल फाइलों और बैठकों तक सीमित है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2007 में पीजीआइ को संस्थान स्थापित करने के निर्देश दिए थे। इसके साथ हर वर्ष सात करोड़ रुपये तक का बजट उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया था। योजना के तहत हेल्थ फैसिलिटी प्लानिंग एंड डिजाइनिंग तथा हेल्थकेयर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जैसे विशेष मास्टर डिग्री कोर्स शुरू किए जाने थे।इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य ऐसे विशेषज्ञ तैयार करना था, जो अस्पतालों की योजना, निर्माण, तकनीकी प्रबंधन और स्वास्थ्य अवसंरचना को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित कर सकें।
हालांकि, परियोजना शुरूआत से ही असमंजस में रही। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2014 में स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी ने यह कहते हुए प्रस्ताव रोक दिया कि इसमें पीजीआइ की भूमिका स्पष्ट नहीं है। बाद में गवर्निंग बाडी ने भी माना कि इस तरह का संस्थान स्थापित करना पीजीआइ के मूल दायित्व यानी कोर मैंडेट का हिस्सा नहीं है।समितियों ने शुरू की मास्टर डिग्री
इसके बाद भी योजना को आगे बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए गए। वर्ष 2016 से 2021 के बीच गठित विभिन्न समितियों ने एमबीए की जगह मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पेक), चंडीगढ़ कालेज आफ आर्किटेक्चर और यूआइईटी के सहयोग से पाठ्यक्रम तैयार करने तथा एम्स-जोधपुर और आइआइटी-जोधपुर के संयुक्त माडल को अपनाने जैसी सिफारिशें कीं। लेकिन इन सुझावों के बावजूद परियोजना मंजूरी की दहलीज पार नहीं कर सकी।
मार्च 2024 में स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि एनआइएचईए की स्थापना पीजीआइ के कोर मैंडेट में नहीं आती। समिति ने सुझाव दिया कि इस तरह का संस्थान आइआइटी रोपड़ या चंडीगढ़ कालेज आफ आर्किटेक्चर जैसे संस्थानों में स्थापित किया जाना अधिक उपयुक्त होगा।
प्रस्तावों और समितियों के बावजूद परियोजना के बाद भी नहीं निकला हल
ऑडिट रिपोर्ट ने इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। दो दशक तक बैठकों, प्रस्तावों और समितियों के बावजूद परियोजना का धरातल पर नहीं उतरना यह दशार्ता है कि स्वास्थ्य क्षेत्र की महत्वपूर्ण योजनाएं कई बार प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उलझकर रह जाती हैं।

चंडीगढ़ में रेड लाइट जंप करने वाले ट्रक ने ली 14 साल के सुशांत की जान, पिता के सामने बेटे को कुचला

चंडीगढ़। हल्लोमाजरा लाइट प्वाइंट पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 14 वर्षीय सुशांत की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह अपने पिता के साथ हल्लोमाजरा स्थित एक दुकान से सामान लेकर साइकिल पर घर लौट रहा था। पिता बाइक पर आगे चल रहे थे, जबकि सुशांत साइकिल से उनके साथ-साथ चल रहा था। इसी दौरान रेड लाइट जंप कर आए तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक सुशांत के ऊपर से गुजर गया। गंभीर रूप से घायल किशोर ने अपने पिता के सामने ही दम तोड़ दिया। बेटे की आंखों के सामने हुई इस दर्दनाक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। ड्राइवर पर लापरवाही का आरोप
प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुआ। आरोप है कि चालक ने रेड लाइट की अनदेखी करते हुए तेज गति से ट्रक निकालने की कोशिश

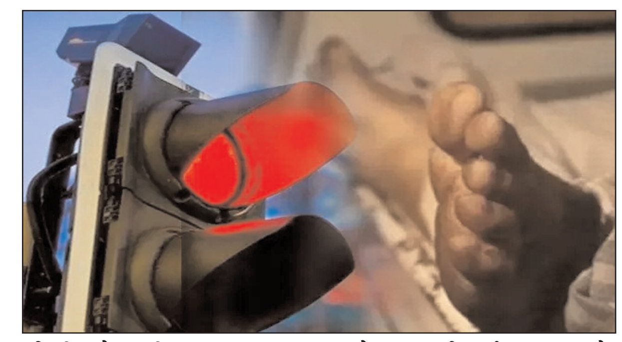

की, जिससे साइकिल सवार सुशांत उसकी चपेट में आ गया।हादसे के बाद चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर तलाश शुरू की और कुछ ही समय बाद आरोपी ट्रक चालक को डेराबस्सी से गिरफ्तार कर लिया।
पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने व मौत का कारण बनने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसके साथ ही दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि हादसे की पूरी परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।
ट्रक ने की रेड लाइट जंप
स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्लोमाजरा लाइट प्वाइंट पर अक्सर भारी वाहन ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हुए रेड लाइट जंप करते हैं। लोगों ने इस चौराहे पर सख्त निगरानी और ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

पंजाब के गुरदासपुर में सरपंच के घर पर अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस टीम

गुरदासपुर। गुरदासपुर के सदर थाने के तहत आने वाले गांव चोड़ सिधवां के मौजूदा सरपंच के घर के बाहर देर रात मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात हमलावरों द्वारा फायरिंग करने की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, दो अज्ञात हमलावरों में से एक मोटरसाइकिल से उतरा और सरपंच के घर के गेट के ठीक सामने खड़ा होकर फायरिंग शुरू कर दी। सरपंच के घर के गेट पर गोलियों के दो निशान बने हैं, जबकि मौके पर पुलिस को चार खोल मिले हैं। सरपंच मनजिंदर सिंह का कहना है कि वह रात करीब 12 बजे घर पहुंचे थे और करीब 1:30 बजे उन्हें आवाज सुनाई दी, लेकिन उन्होंने यह सोचकर अनदेखा कर दिया कि कोई पटाखे फोड़ रहा है। जब वह सुबह उठे तो घर के अंदर गोली के दो खोल दिखे, जिसके बाद उन्होंने सदर थाने को सूचना दी। सरपंच मनजिंदर सिंह का कहना है कि उनके पास कभी रंगदारी की कोई कॉल नहीं आई और न ही उनकी ऐसी कोई दुश्मनी है कि कोई गोली चला दे।डीएसपी शाहबाज सिंह और सदर गुरदासपुर पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं और आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रहे हैं।

मुक्तसर जिला परिषद चुनाव पर घमासान, शिअद ने लगाया धांधली का आरोप; नतीजों के खिलाफ हाईकोर्ट जाने का एलान

श्री मुक्तसर साहिब। मुक्तसर में मंगलवार को जिला परिषद के चेयरमैन और वाइस चेयरपर्सन का चुनाव कर लिया है। वोटिंग के बाद आम आदमी पार्टी की गुरविंदर कौर मलोट को चेयरपर्सन चुना गया। वहीं वाइस चेयरपर्सन शिरोमणि अकाली दल की कुलविंदर कौर जस्सिआना सर्वसम्मति से चुन ली गईं, क्योंकि आप के पास वाइस चेयरमैन का कोई उम्मीदवार नहीं था। यह प्रक्रिया रेड क्रास भवन में की गई। शिअद ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पूर्व विधायक और जिला प्रधान कंवरजीत सिंह रोजी बरकंदी ने कहा कि प्रशासन ने सत्ता पक्ष के इशारे पर धक्केशाही की। उनका आरोप है कि जिले की 13 सीटों में से सात शिअद के पास थीं, जबकि आप के पास सिर्फ पांच और कांग्रेस के पास एक सदस्य था। शिअद नेता ने क्या दावा किया?
ऐसे में चेयरमैन शिअद का बनना चाहिए था। शिअद नेता मनजिंदर सिंह

बिट्टू ने दावा किया कि ब्लाक समिति के दो चेयरमैनों सहित उनके पास नौ वोटें थीं। उन्होंने कहा कि एक वोट रद कर दी गई और एक सदस्य की वोट को धक्के से आप में शामिल करके हमें 8-7 के फर्क से हराया गया। एसडीएम ने मंत्री और विधायक के दबाव में आकर मनमानी की। शिअद ने साफ कर दिया है कि वह इस पूरे मामले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे।प्रशासन के अनुसार 17 सदस्यों का कोरम था। इसमें चेयरमैन चुनाव के लिए आप को आठ वोट मिले, शिअद को सात वोट मिले और एक वोट रद हो गया। कांग्रेस से संबंधित एक जिला परिषद सदस्य गैरहाजिर रहा।
आप ने मनाया जश्न
आप ने चेयरपर्सन बनने पर जश्न मनाया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डा. बलजीत कौर, विधायक जगदीप सिंह काका बराड़ और गिद्दड़बाहा से विधायक हरदीप सिंह डिंपी ढिल्लों के भाई सनी ढिल्लों मौजूद रहे।
नवनियुक्त चेयरपर्सन गुरविंदर कौर मलोट ने कहा कि वह विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगी और लोगों की समस्याएं हल करने के लिए तत्पर रहेंगी। वाइस चेयरपर्सन कुलविंदर कौर जस्सिआना ने कहा कि वह चेयरमैन के बराबर कुर्सी पर बैठकर लोगों का काम करेंगी।धक्केशाही करने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा शिअद के पूर्व विधायक कंवरजीत सिंह रोजी बरकंदी ने कहा कि इससे हफ्ता पहले भी जब चेयरमैन का चुनाव होना था तो सत्ता पक्ष ने बायकाट कर दिया था। अब मंगलवार को दूसरी बार चुनाव हुआ था अधिकारियों ने सरेआम सत्ता पक्ष के कहने पर धक्केशाही की है। ऐसा करने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।
आप के पास चार महीने चेयरमैनशिप रहेगी और उसके बाद विधानसभा चुनाव में लोग इनको धक्केशाही का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि सोमवार को चुनाव से एक दिन पहले उनका ब्लाक समिति का चेयरमैन पुलिस ने बिना वजह उठा लिया था। जिसे हमने देर शाम को रिहा करवाया। यह सरकार की बौखलाहट है।

पंजाब के फाजिल्का में पचार गिरोह के 12 सदस्य गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और हेरोईन बरामद

अबोहर। नगर थाना पुलिस को सोमवार देर शाम उस समय बडी सफलता हाथ लगी जब पुलिस टीम ने एक सैलून में छापेमारी करते हुए वहां से 12 लोगों को अवैध हथियारों, जिंदा कारतूस व 100 ग्राम हेरोईन सहित काबू किया। पुलिस ने करीब 20 लोगो को नामजद करते हुए इन सभी के खिलाफ बीएनएस, आर्म एकट व एनडीपीएस की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि यह लोग खतरनाक गैंग विशाल पचार के कहने पर ही असला और हेरोईन सप्लाई करते थे।डीएसपी हरीश कुमार व थाना प्रभारी मनिंदर सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ लोगों ने मिलकर एक गिरोह बनाया हुआ है जो कि विशाल पचार के कहने पर अवैध असला और हेरोईन सप्लाई का काम करता है और अब भी ये लोग फाजिल्का रोड चुंगी पर बने यूनिक सैलून मे बैठे योजना बना रहे हैं।
जिस पर उनके थाने के सहायक थानेदार अमनदीप सिंह ने पुलिस टीम सहित वहां पर दबिश दी तो 12 लोगो को 4 पिस्तौल, 6 मैगजीन, 47 जिंदा राउंड और 100 ग्राम हेरोइन सहित काबू करते हुए कुल 20 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।
पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने अजय सिंह उर्फ अजू पुत्र राजू सिंह निवासी सीड फार्म पक्का, अबोहर, बाबी पुत्र काला राम निवासी कशयप कॉलोनी, नजदीक जोहड़ी मंदिर, अबोहर, आकाश कुमार उर्फ प्रिंस टल्ली पुत्र प्रदीप कुमार निवासी पंजपीर नगर अबोहर, ललित राम पुत्र बृजेश कुमार निवासी , नानक नगरी, अबोहर, मिठुन पुत्र बलदेव निवासी चंडीगढ़ मोहल्ला, अबोहर, रवि डॉक्टर उर्फ रवि पुत्र जगदीश निवासी पुरानी फाजिल्का रोड अबोहर, संजीव उर्फ आलू पुत्र कालू राम निवासी प्रेम नगर अबोहर, अमनप्रीत सिंह उर्फ भिंडी पुत्र मुख्तयार सिंह निवासी सरदार कॉलोनी, अबोहर, अमन कुमार पुत्र राजू निवासी डीआर कॉलोनी, अबोहर, विजय कुमार पुत्र उमेश कुमार , अजय कुमार उर्फ ऋषि पुत्र उमेश कुमार व रोशन कुमार पुत्र पवन कुमार निवासी सरदार कॉलोनी अबोहर, घनईया कुमार पुत्र बाबू राम निवासी कंधवाला रोड अबोहर, सुमित कुमार पुत्र नेतरपाल

सिंह निवासी बुर्जा चौक अबोहर, प्रिंस कुमार पुत्र पिंटू कुमार निवासी पुरानी फाजिल्का रोड अबोहर, शिवा पुत्र सुनील कुमार निवासी प्रेम नगर अबोहर, शिवम पुत्र भोला राम निवासी ईदगाह बस्ती, अबोहर, नवनींदर सिंह उर्फ लवप्रीत सिंह उर्फ सिन्नी पुत्र जसवीर सिंह निवासी अबोहर, मोनू नाई मालिक यूनिक सैलून फाजिल्का चुंगी अबोहर तथा निवशाल पचार निवासी जवाहर नगर श्रीगंगानगर के खिलाफ के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

झुलसे चेहरों को नई जिंदगी... कौन हैं पंजाब के डॉ. चन्नजीव? 5700 से अधिक लोगों का फ्री में कर चुके हैं प्लास्टिक सर्जरी

जालंधर। किसी का चेहरा आग में झुलस गया हो, किसी बच्चे के हाथ जलने से मुड़ गए हों या युद्ध और आतंकी हमले में घायल व्यक्ति अपना चेहरे को क्षतिग्रस्त कर बैठा हो। ऐसे लोगों के लिए प्लास्टिक सर्जन डॉ. चन्नजीव सिंह नई जिंदगी देने वाले चिकित्सक हैं। भारतीय सेना और पंजाब के स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त 64 वर्षीय डॉ. चन्नजीव सिंह कहते हैं कि संविधान ने प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य का अधिकार दिया है, लेकिन जब इलाज महंगा हो जाए तो यह अधिकार गरीबों के लिए अधूरा रह जाता है।इसी सोच ने उन्हें उन लोगों तक पहुंचने की प्रेरणा दी, जिनके लिए प्लास्टिक सर्जरी का खर्च उठाना संभव नहीं था। अब तक वह सरकारी सेवाओं के अतिरिक्त 5,700 से अधिक मरीजों की निशुल्क प्लास्टिक सर्जरी कर चुके हैं। कई बार उन्होंने अपनी जेब से मरीजों की दवाएं और सर्जरी का सामान तक खरीदा।डॉ. चन्नजीव का सेवा सफर वर्ष 1992 में भारतीय सेना से शुरू हुआ। 22 वर्ष तक उन्होंने युद्ध क्षेत्रों, आतंकी हमलों और प्राकृतिक आपदाओं में घायल लोगों का उपचार किया। जंग के मैदान में झुलसे सैनिकों, महिलाओं और बच्चों की पीड़ा ने उनके भीतर एक संकल्प पैदा किया कि सेवानिवृत्ति के बाद वह अपना अनुभव उन गरीब मरीजों के लिए समर्पित करेंगे, जिन्हें इलाज की सबसे अधिक जरूरत है। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने पंजाब स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाली। पूरे विभाग में वह लंबे समय तक इकलौते प्लास्टिक सर्जन रहे। जनवरी 2021 में सिविल अस्पताल जालंधर से वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एसएमओ) के पद से सेवानिवृत्त होने तक उन्होंने हजारों जटिल सर्जरी करवाईं।नौकरी के दौरान ही उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से निश्शुल्क

प्लास्टिक सर्जरी शिविर शुरू कर दिए थे। वह कहते हैं कि झुलसने से शरीर पर पड़े दाग, सिकुड़े अंग और बिगड़ा चेहरा उसे समाज से दूर कर देते हैं। ऐसे लोगों की आर्थिक स्थिति को उन्होंने इलाज के बीच कभी दीवार नहीं बनने दिया। कई बार उन्होंने अपनी जेब से मरीजों की दवाएं और सर्जरी का सामान तक खरीदा। उनकी सेवा देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। ओमान, गाजा, सूडान, जार्डन, सीरिया, ईराक तथा दक्षिण एशिया के सात देशों में वह वालंटियर प्लास्टिक सर्जन के रूप में युद्ध पीड़ितों का उपचार कर चुके हैं। नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान वे अपने खर्च पर वहां पहुंचे और घायल लोगों की सर्जरी कर उन्हें नई जिंदगी दी। इसके लिए उन्हें रेड एंड व्हाइट ब्रेवरी अवार्ड से सम्मानित किया गया। पेरिस, हालैंड, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड और जर्मनी में भी उन्होंने स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर बर्न मरीजों के निशुल्क ऑपरेशन किए। हाल ही में मध्य प्रदेश के मुरैना तथा जम्मू-कश्मीर के डोडा, किश्तवाड़ और भद्रवाह में भी उन्होंने सर्जरी शिविर लगाए। पिछले वर्ष अफगानिस्तान के कुंदुज स्थित नए बर्न यूनिट में गंभीर मरीजों का उपचार किया।ल इसके अलावा युवा डॉक्टरों के लिए डॉ. चन्नजीव ने चिकित्सा शिक्षा पर 11 शोध पत्र लिखे और अपने 22 वर्षों के अनुभव के आधार पर 12 शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए।उनकी सेवाओं को हिमाचल प्रदेश और पंजाब सरकार सम्मानित कर चुकी हैं। वे मिशन इंडिया, ऑपरेशन रेनबो कनाडा, वूमेन फार वूमेन, आइपीआरएएस और वूमेन हेल्थ जैसी अनेक संस्थाओं से जुड़े हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका सेवा भाव नहीं बदला। पंजाब के सरकारी अस्पतालों में प्लास्टिक सर्जन न होने की स्थिति को देखते हुए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को स्वयं प्रस्ताव दिया कि वे सिविल अस्पताल जालंधर के बर्न यूनिट में निशुल्क सेवाएं देंगे। मानसिक रूप से मजबूती के लिए करता हूं मेडिटेशन : डॉ. चन्नजीव डॉक्टर दिवस के थीम (मास्क के पीछे : चिकित्सकों को कौन ठीक रखता है) पर बात करते हुए डॉ. चन्नजीव सिंह कहते हैं कि मरीज का दर्द देखकर भावुक होना स्वाभाविक है, लेकिन वर्षों तक युद्ध, भूकंप और आग में झुलसे लोगों का इलाज करते-करते उन्होंने खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाना सीखा है। वे बताते हैं कि मानसिक संतुलन बनाए रखना भी डॉक्टर के लिए अहम है।इसके लिए वे नियमित रूप से मेडिटेशन (ध्यान) करते हैं। ध्यान

सेवानिवृत्त प्राचार्य को विदाई, नए प्राचार्य का स्वागत

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- अमर सिंह महाविद्यालय, लखावटी में मंगलवार को आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. राजेन्द्र कुमार को सम्मानपूर्वक भावभीनी विदाई दी गई। वहीं, प्रो. ओमवीर सिंह ठेनुआं ने महाविद्यालय के 45वें प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने महाविद्यालय संस्थापक रायबहादुर स्व. चौधरी अमर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया तथा शिक्षकों व कर्मचारियों के सहयोग से महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास का संकल्प व्यक्त किया। समारोह में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने दोनों प्राचार्यों का पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

45 वें प्राचार्य के रूप में प्रो0 ओम वीर सिंह टैनुआँ ने संभाला अमर सिंह कॉलेज, लखावटी के प्राचार्य का संभाला पदभार

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- अमर सिंह कालेज में 45 वे प्रधानाचार्य का प्रो० ओम वीर सिंह डैनुओं ने अमर सिंह कॉलेज, लखावटी के प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया निवर्तमान प्राचार्य, प्रो० राजेन्द्र कुमार की सेवानिवृत्ति के अवसर पर प्रो० ओम वीर सिंह टैनुआँ ने कॉलेज प्रशासक एवं जिलाधिकारी, बुलन्दशहर की स्वीकृति के पश्चात अमर सिंह कॉलेज, लखावटी के 45 वें प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया प्रो० राजेन्द्र कुमार को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की ओर से स्मृति चिन्ह, शॉल एवं पुष्प गुच्छ देकर भावभीनी बिदाई दी गयी एवं समस्त स्टॉफ की तरफ से उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी। प्रो० ओम वीर सिंह टैनुआँ ने दिनांक 03 मार्च, 1997 को अमर सिंह कॉलेज, लखावटी के सस्य विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। तभी से निरंतर इनके द्वारा कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरूस्कार अर्जित किये गये हैं। सन 2002-03 में चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा एन०एस०एस० में प्रोग्राम अधिकारी एवं 2006-07 में उत्तर प्रदेश का सवश्रेष्ठ प्रोग्राम ऑफिसर का अवार्ड इनके द्वारा प्राप्त किया गया है। कई राष्ट्रीय सेमिनार एवं वर्कशाप का इनके द्वारा सफल आयोजन किया जा चुका है, जिससे किसानों, विद्यार्थियों एवं एकेडमिशियन को लाभ प्राप्त हुआ। इनके लगभग 60 रिसर्च पेपर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। 09 नवम्बर, 2021 को उच्च शिक्षा सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश द्वारा चयनित होकर 04 वर्ष 03 माह तक जी०वी०एन० कालेज, बूढपुर-रमाला. बागपत में प्राचार्य के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। कृषि अनुसंधान एवं कृषि महत्व को समझते हुए इन्होंने इस पद से त्याग पत्र देकर अपने मूल पद पर दिनांक 10 फरवरी, 2026 को महाविद्यालय में सस्य विज्ञान विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। इन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात कॉलेज के सफल भविष्य को लेकर अपनी योजनाओं को मूर्त रूप देकर अपना सर्वत्र योगदान देने एवं कॉलेज के सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से अपनी पूर्ण उर्जा के साथ महाविद्यालय के कार्यों के सम्पादन में लगने हेतु आहवान किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो० कृष्ण देव वर्मा, प्रो० अशोक कुमार शर्मा, प्रो० राजेश कुमार सिंह, प्रो० एस०के० बैरागी, प्रो० ओमप्रकाश, प्रो० भीष्म सिंह, डा० रामचन्द्र, डा० राजपाल सिंह डा० अवधेश प्रताप सिंह, डा० अरूण कुमार, डा० मनीष मिश्र, डा० रामजी द्विवेदी, डा० अर्चना वर्मा, डा० अंजना खोलिया, अभय कुमार श्रीवास्तव, बेदपाल सिंह, लोचन अग्रवाल एवं पुष्पेन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

शिवसेना ने राम मंदिर में कथित चोरी मामले में, मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शिवसेना के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सोमवार को काला मलका पार्क पर एकत्र होकर अयोध्या स्थित भगवान श्रीराम मंदिर में कथित सोना-चांदी व आभूषण चोरी के मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी दोषियों, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली हों, के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। शिवसेना ने आरोपियों के विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर कठोर दंड देने की मांग की। संगठन का कहना था कि इस घटना से करोड़ों श्रद्धालुओं एवं कारसेवकों की भावनाएं आहत हुई हैं। इस दौरान प्रदेश सचिव राजकुमार गिरी, जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा, जिला प्रमुख राजीव सिंह, जसवंत सिंह, जयवीर सिंह, बबलू गिरी, अशोक कुमार, नीलम भाटी, उषा राजपूत, अरुण लोधी, चंद्रशेखर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोजगार मेले में 96 युवाओं का चयन, सौंपे गए ऑफर लेटर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला सेवायोजन कार्यालय, बुलन्दशहर द्वारा मंगलवार को साईएमटी कॉलेज, चन्देरू (दिल्ली रोड) में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में निजी क्षेत्र की 10 कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक एवं आईटीआई उत्तीर्ण 165 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इनमें से 96 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में रोजगार हेतु चयन किया गया। जिला सेवायोजन अधिकारी आर.पी. सिंह ने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर वितरित किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर साईएमटी कॉलेज के प्रबंधक अनिल चन्देल ने भी अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन किया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में कॉलेज स्टाफ एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

किसानों की समस्याओं को लेकर 1 जुलाई को होगा पैदल मार्च

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में मंगलवार को साधन सहकारी समिति, याकूबपुर पर किसानों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में समिति पर यूरिया-डीएपी की नियमित उपलब्धता, अवैध खनन से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, ग्राम पंचायत मतदाता सूची में कटे नामों को पुनः जोड़ने, गांवों में मिनी स्टेडियम, फार्मर रजिस्ट्री, घरौनी व अंश निर्धारण संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए चौपाल लगाने, खराब सरकारी नलों की मरम्मत तथा टूटी सड़कों एवं नालियों के निर्माण सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 1 जुलाई 2026 को गांव याकूबपुर से कलेक्ट्रेट, बुलंदशहर तक विशाल पैदल मार्च निकाला जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में किसान एवं ट्रैक्टर शामिल होंगे। किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक समस्याओं का समाधान और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

शिकारपुर में सरकारी भूमि पर दोबारा कब्जे का आरोप, राजस्व अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

बुलंदशहर (सब का सपना):- शिकारपुर तहसील क्षेत्र में सरकारी भूमि पर कथित अतिक्रमण और राजस्व प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद गहरा गया है। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि सरकारी रास्ते एवं वृक्षारोपण की भूमि का विधिवत सीमांकन किए जाने के बावजूद दोबारा कब्जा कर लिया गया, जबकि जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की। शिकायत के अनुसार, उपजिलाधिकारी शिकारपुर के आदेश पर 10 जून 2026 को गठित राजस्व टीम ने गाटा संख्या 1927 (रास्ता, रकबा 5818 वर्गमीटर) तथा गाटा संख्या 1930 (सरकारी वृक्षारोपण भूमि, रकबा 454 वर्गमीटर) का राजस्व अभिलेखों के अनुरूप सीमांकन कर मौके पर पक्की खूंटियां गड़वाई थीं। टीम में नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और कई लेखपाल शामिल थे। आरोप है कि सीमांकन के बाद सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया, लेकिन बाद में संबंधित क्षेत्रीय लेखपाल का स्थानांतरण हो गया। शिकायतकताओं का दावा है कि 25 जून 2026 को पूर्व में लगाए गए सीमांकन चिन्हों को जेसीबी से हटाकर सरकारी भूमि पर फिर से कब्जा कर लिया गया। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि प्रभावशाली लोगों के दबाव में सरकारी भूमि की सुरक्षा नहीं हो सकी और राजस्व अधिकारियों ने भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं की। मामले में उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा सरकारी भूमि को पुनः अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की गई है। शिकायत में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश का भी हवाला दिया गया है, जिसमें सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही गई है। शिकायतकताओं का कहना है कि न्यायालय के निर्देशों और शासनादेशों का पालन सुनिश्चित कराया जाए। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित अधिकारियों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

बाराखंबा रोड पर परिक्रमा रेस्त्रां में लगी आग, दमकल की 7 गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बाराखंबा रोड स्थित परिक्रमा रेस्त्रां में मंगलवार दोपहर आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की सात गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने की सूचना 3:40 पर दमकल विभाग को मिली थी। करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। आग किचन की चिमनी में लगी थी। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

नाबालिग बेटा बनेगा पिता का 'लाइफ सेवर', दिल्ली हाई कोर्ट ने दी लीवर दान करने की इजाजत

नई दिल्ली। बीमार पिता को लीवर का एक हिस्सा दान करने की 17 वर्षीय नाबालिग बेटे की अपील को दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने कहा कि भले ही याचिकाकर्ता नाबालिग है, लेकिन शारीरिक रूप से स्वस्थ है और वह अपनी मर्जी, प्यार और लगाव के कारण अपने पिता को अपने लिवर का एक हिस्सा दान करने को तैयार है। कोर्ट ने कहा- नाबालिग का लीवर दान रोकना होगा अन्याय हाई कोर्ट ने कहा कि अदालत का मानना है कि न्याय के नजरिए से, प्रस्तावित लिवर डोनेशन और ट्रांसप्लांटेशन की अनुमति देना ही सबसे सही है, क्योंकि अगर कोर्ट ऐसी अनुमति नहीं देता है, तो याचिकाकर्ता के पिता की जान जा सकती है। अपनी मां के माध्यम से याचिका दायर कर नाबालिग ने कहा कि उसके पिता गंभीर लीवर की समस्या से जूझ रहे हैं और वसंत कुंज स्थित आइएलबीएस में इलाज चल रहा है। अदालत ने दिल्ली सरकार की तरफ से दाखिल हलफनामा को रिकार्ड पर लिया, जिसमें कहा गया है कि उपराज्यपाल व संबंधित अधिकारियों ने लीवर ट्रांसप्लांट की मंजूरी दे दी है।

डीयू के कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज में बड़ा बदलाव, 7 में से 6 स्किल आधारित कोर्स बंद

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज (सीवीएस) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से अपने सात स्नातक व्यावसायिक (वोकेशनल) पाठ्यक्रमों में से छह को बंद करने का निर्णय लिया है। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि इन पाठ्यक्रमों में पिछले कई वर्षों से लगातार कम दाखिले हो रहे थे, इसलिए संसाधनों के बेहतर उपयोग और छात्रों को अधिक रोजगारपरक विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है। हालांकि, इस फैसले ने शिक्षकों और छात्रों के एक वर्ग में असंतोष पैदा कर दिया है। कौन से कोर्स हुए बंद? बंद किए गए पाठ्यक्रमों में ऑफिस मैनेजमेंट एंड सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस, रिटेल मैनेजमेंट एवं आईटी, मटेरियल मैनेजमेंट, इंश्योरेंस मैनेजमेंट, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज मैनेजमेंट तथा ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट शामिल हैं। केवल बीए (वोकेशनल स्टडीज) इन टूरिज्म मैनेजमेंट को जारी रखा गया है। इनकी जगह कॉलेज अब अर्थशास्त्र, वाणिज्य, कंप्यूटर एप्लीकेशन, गणित, इतिहास और राजनीति विज्ञान जैसे विषयों के संयोजन वाले बहुविषयक स्नातक कार्यक्रम शुरू करेगा। कॉलेज के प्राचार्य का कहना है कि नए पाठ्यक्रम वर्तमान समय की शैक्षणिक और रोजगार संबंधी जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। उनका मानना है कि पुराने वोकेशनल कार्यक्रमों के कई विषय अब बीकॉम और अन्य नियमित पाठ्यक्रमों का हिस्सा बन चुके हैं, इसलिए उन्हें अलग से संचालित करने की आवश्यकता नहीं रह गई थी। पाठ्यक्रमों को बंद करने को लेकर शिक्षकों का विरोध सरी ओर, शिक्षकों का कहना है कि सीवीएस की स्थापना ही कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। ऐसे में इन पाठ्यक्रमों को समाप्त करना कॉलेज की मूल पहचान और उद्देश्य के विपरीत है। उनका यह भी तर्क है कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) स्वयं कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देती है। ऐसे में स्किल आधारित कार्यक्रमों को बंद करना नीति की भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

आधी रात को दिल्ली की हवा कौन कर रहा जहरीली? आईआईटी-टेरी की रिपोर्ट में 61% प्रदूषण फैलाने वालों का खुलासा

नई दिल्ली। जब आप और हम सो रहे होते हैं, तब दिल्ली की आबोहवा में 'स्लो प्वाइजन' घुल रहा होता है। दिल्ली के जानलेवा पीएम 2.5 प्रदूषण के पीछे सबसे बड़ा कारण परिवहन ही है और इसमें भी असली गुनहगार वे भारी ट्रक हैं जो रात ढलते ही शहर की सीमाओं में दाखिल होते हैं। एयर पल्यूशन एक्शन ग्रुप (ए पैग), आईआईटी दिल्ली और टेरी की एक संयुक्त और चौंकाने वाली रिपोर्ट में सामने आया है कि राजधानी में हर दिन करीब 16,900 भारी कमर्शियल ट्रक एंट्री करते हैं। दिनभर के मुकाबले सुबह और रात के वक्त दिल्ली के कुल परिवहन प्रदूषण में इन ट्रकों की हिस्सेदारी बढ़कर सीधे 61 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। टूवर्ड्स क्लीनर फ्रेट इन दिल्लीः असेसिंग इंटरस्टेट ट्रक एमिशन एंड मिटिगेशन स्ट्रेटेजीजह्व शीर्षक से सोमवार को जारी की गई इस रिपोर्ट में दिल्ली आने वाले अंतरराज्यीय भारी वाहनों की आवाजाही, उनसे होने वाले वास्तविक प्रदूषण एवं इसे रोकने के उपायों का अब तक का सबसे सटीक विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में टोल डेटा, जमीनी ट्रैफिक काउंट, ड्राइवरों के सर्वे और वाहनों से निकलने वाले धुएं की जांच की गई। आईआईटी दिल्ली ने हवा-हवाई दावों के बजाय खुद की विकसित 'वीएस3' (वर्सटाइल सोर्स सैंपलिंग सिस्टम) तकनीक से सड़कों पर चलते ट्रकों के धुएं का लाइव एक्सरे किया, जिससे इसका कड़वा सच सामने आया। दिल्ली आने वाले 50 प्रतिशत से ज्यादा ट्रक सिर्फ चार रास्तों- कुंडली, रजोकरी, बदरपुर और टिकरी टोल प्लाजा से आते हैं। 2027 का फामूर्ला : अगर साल 2027 तक बीएस छह से नीचे वाले पुराने ट्रकों की नो-एंट्री कर दी जाए तो इस प्रदूषण को 51 प्रतिशत तक तुरंत कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने भविष्य के लिए दी चेतावनी टेरी और ए पैग के विशेषज्ञों ने साफ चेतावनी दी है कि प्रदूषण राज्यों की सरहदें नहीं देखता। दिल्ली में आने वाले ज्यादातर ट्रक एनसीआर के बाकी राज्यों से आते-जाते हैं। साफ है कि दिल्ली अकेले इस धुएं से पार नहीं पा सकती। जब तक केंद्र और सभी एनसीआर राज्य मिलकर 'लो एमिशन जोन' और इलेक्ट्रिक ट्रकों के साझे रोडमैप पर सख्ती से काम नहीं करेंगे

अब सिर्फ सर्दी नहीं, गर्मी में भी खतरा; दिल्ली-एनसीआर देश में 'ओजोन प्रदूषण' का सबसे बड़ा हॉटस्पॉट

नई दिल्ली। पर्यावरण थिंक टैंक सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के एक नए विश्लेषण में एक बहुत चिंताजनक ट्रेंड सामने आया है। देश के शहरों में जमीनी स्तर का ओजोन प्रदूषण अब किसी एक मौसम या कुछ घंटों की बात नहीं रह गया है, बल्कि यह एक गंभीर और सालभर का संकट बन चुका है। गर्मी में ज्यादा खतरनाक हुआ साइलेंट किलर विश्लेषण के अनुसार दिल्ली-एनसीआर देश में ओजोन प्रदूषण के सबसे बड़ा हॉटस्पॉट बनकर उभरा है। वहीं उत्तर भारत के साथ-साथ दक्षिण एवं तटीय इलाकों के शहर भी इस अदृश्य गैस की चपेट में आ चुके हैं। मंगलवार को जारी किए गए इस विश्लेषण के अनुसार बढ़ती गर्मी, तेज धूप और वाहनों व उद्योगों से निकलने वाली गैसों के आपसी रिएक्शन के कारण यह प्रदूषक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ा खतरा बन गया है। विश्लेषण के मुख्य प्वाइंट चंडीगढ़ और जयपुर में सबसे ज्यादा असर : वर्ष 2021 से 2026 के आंकड़ों के विश्लेषण के मुताबिक, गर्मियों में चंडीगढ़ में ओजोन का औसत स्तर देश में सबसे अधिक रहा। इसके ठीक बाद जयपुर और अहमदाबाद का स्थान है। दिल्ली और एनसीआर मुख्य केंद्र : दिल्ली और एनसीआर में ओजोन की स्थिति सबसे बदतर है। अध्ययन के सभी 71 दिनों में यहां प्रदूषण का स्तर राष्ट्रीय मानक (100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से ऊपर रहा। दिल्ली का पूसा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद इसके सबसे बड़े हॉटस्पॉट रहे। "टाक्सिक नाइट्स" का नया खतरा : आमतौर पर दिन में धूप के साथ बढ़ने वाला ओजोन अब रात में भी हवा में जमा रह जाता है। रात के समय ओजोन के खतरनाक स्तर के मामले में दिल्ली एवं एनसीआर (46 रातें) सबसे ऊपर है, जिसके बाद बेंगलुरु (14 रातें) और भोपाल (13 रातें) का नंबर आता है। असर की लंबी अवधि : ओजोन हवा में अब ज्यादा समय तक टिक रहा है। भोपाल में सबसे ज्यादा (औसतन 17 घंटे प्रतिदिन) ओजोन का स्तर सुरक्षित सीमा से ऊपर रहा, जबकि लखनऊ, मुंबई, बेंगलुरु में यह अवधि करीब 16 घंटे दर्ज की गई। सेहत पर सीधा वार : यह गैस फेफड़ों को भारी नुकसान पहुंचाती है, जिससे अस्थमा और सांस की बीमारियां बढ़ रही हैं। डॉक्टरों के अनुसार, इसके लंबे समय तक संपर्क में रहने से दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। खेती और ग्लेशियरों को नुकसान : ओजोन के कारण देश में गेहूं की पैदावार में हर साल करीब 14-15 प्रतिशत की कमी आ रही

दिल्ली में फर्जी पुलिसकर्मी बना शाहरुख खान गिरफ्तार, वर्दी पहन लोगों को दे रहा था पुलिसिया धौंस

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) ने दिल्ली पुलिस का सिपाही बनकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली सिविल डिफेंस का स्वयंसेवक है और पुलिस की वर्दी पहनकर खुद को करावल नगर थाने में तैनात कांस्टेबल बताकर लोगों पर रौब झाड़ रहा था। छापेमारी कर संदिग्ध को किया गिरफ्तार पुलिस के अनुसार, 28 जून की रात करीब 9:40 बजे एएटीएस की गश्ती टीम को सूचना मिली कि एसडीएम कार्यालय नंद नगरी में तैनात एक सिविल डिफेंस स्वयंसेवक जवाहर नगर पिकेट के पास दिल्ली पुलिस की वर्दी पहनकर खुद को पुलिसकर्मी बता रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में स्वीकार किया आरोप पूछताछ के दौरान आरोपित ने अपना नाम शाहरुख खान बताकर खुद को करावल नगर थाने में तैनात कांस्टेबल बताया। हालांकि, थाने से सत्यापन कराने पर पता चला कि उस नाम का कोई पुलिसकर्मी वहां तैनात नहीं है। इसके बाद उसकी पोल खुल गई। आरोपी की पहचान 26 वर्षीय शाहरुख खान निवासी मंडोला गांव, लोनी (गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल की वर्दी बरामद की गई। पूछताछ में उसने पुलिसकर्मी बनकर लोगों के बीच घूमने की बात स्वीकार कर ली। अब पुलिस खंगाल रही 'कुंडली' करावल नगर थाने में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 204 और 205 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि क्या आरोपी ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर किसी अन्य वारदात को अंजाम तो नहीं दिया।

सांसद का फर्जी स्टिकर लगाकर झाड़ रहा था रौब, दिल्ली के लाडो सराय से कार जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली में एक काली एसयूवी पर लगे सांसद के स्टिकर और झंडे ने सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया। संदिग्ध वाहन को ट्रेस करने के बाद दक्षिण दिल्ली के लाडो सराय इलाके से जब्त कर लिया गया। जांच में सामने आया कि एक जालसाज नकली पहचान बनाकर रौब झाड़ रहा था। सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क किया पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि यह घटना 21 जून की है। हरियाणा के मुरथल स्थित मन्नत हवेली रेस्टोरेंट में शाम करीब 5:20 बजे इस ब्लैक स्कॉर्पियो को देखा गया। वाहन पर 'पार्लियामेंट ऑफ इंडिया' का पार्किंग स्टिकर और सांसद का झंडा लगा हुआ था। वहां मौजूद एक व्यक्ति को शक हुआ और उसने संसद भवन कंट्रोल रूम को सूचित किया। जांच में पता चला कि इस वाहन नंबर पर कोई आधिकारिक संसद पार्किंग स्टिकर जारी नहीं किया गया था। इसके बाद शाम 8:45 बजे अलर्ट जारी कर दिया गया और दिल्ली पुलिस, क्राइम ब्रांच समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया। नहीं दिखा सका कोई दस्तावेज पुलिस ने वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर लाडो सराय स्थित प्रमोद चौधरी के आवास पर छापेमारी की। वहां एसयूवी पार्क मिली, जिस पर वही नकली पार्लियामेंट ऑफ इंडिया स्टिकर और झंडा लगा हुआ था। पूछताछ में प्रमोद चौधरी ने बताया कि एसयूवी उनका बेटा देव चौधरी इस्तेमाल करता है। लेकिन न तो परिवार और न ही वाहन चालक कोई दस्तावेज पेश कर सका जिसमें किसी सांसद से संबंध या स्टिकर-झंडे का अधिकार साबित हो। 'कुंडली' खंगाल रही पुलिस पुलिस का मानना है कि नकली स्टिकर और झंडे का इस्तेमाल प्रभाव दिखाने और जांच से बचने के लिए किया जा रहा था।

दिल्ली पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि नकली स्टिकर और झंडा कहां से आए और इनका पहले भी कहीं दुरुपयोग तो नहीं किया गया।

दिल्ली में बिजली की मांग ने तोड़ा रिकॉर्ड! 9000 मेगावाट के पार जा सकती है मांग, दिल्ली सरकार ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली। दिल्ली में उमस भरी कमी से लगातार दूसरे दिन बिजली की मांग अधिक बनी हुई है। सोमवार को अपराह्न सवा तीन बजे अधिकतम मांग 8748 पहुंच गई थी। यह अबतक का रिकार्ड है। रात में भी बिजली की खपत अधिक रही। मध्य रात्रि 12 बजे अधिकतम मांग 8320 मेगावाट रही। अधिकतम मांग के साथ ही न्यूनतम मांग भी अधिक रह रही है। सोमवार की तरह मंगलवार सुबह भी अधिकतम मांग 5600 मेगावाट से अधिक रही। यानी सुबह के समय भी लोग गर्मी से बचने के लिए एसी व कूलर का उपयोग कर रहे हैं। दिन में इसमें और वृद्धि होगी। बिजली वितरण कंपनियों का कहना है कि अधिकतम मांग 9000 मेगावाट के ऊपर पहुंच सकती है। मांग बढ़ने पर निर्बाध बिजली आपूर्ति चुनौती रहती है क्योंकि लोड बढ़ने के कारण कई स्थानों पर विशेषकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में ट्रिपिंग की समस्या बढ़ जाती है। नेटवर्क में खराबी आने से बिजली आपूर्ति बाधित होती है। वहीं, दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद का कहना है कि भाजपा की सरकार आने के बाद बिजली नेटवर्क में सुधार पर काम शुरू किया गया है इस कारण मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद भी बिजली आपूर्ति में किसी तरह की परेशानी नहीं आई है।

बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

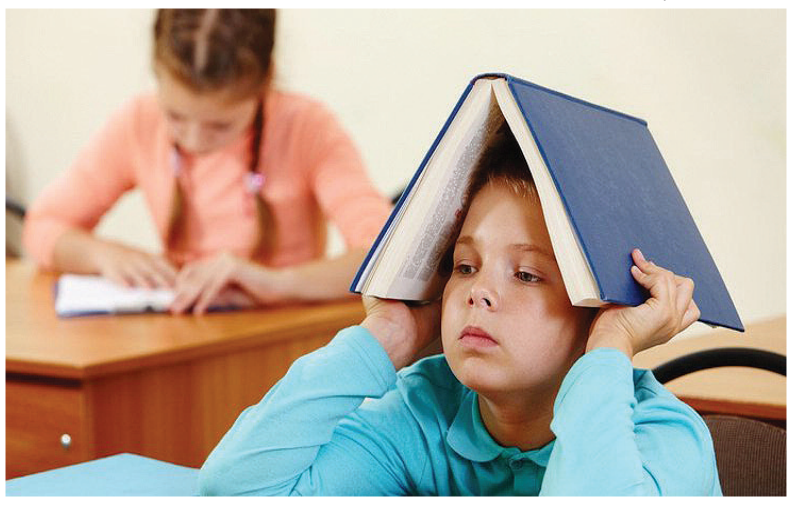

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

ऑडिटरी लर्नर: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

काइनेस्थेटिक लर्नर: इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बड़ेगा, जिससे उसे आगे बड़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गढ़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

डॉ. नूपुर गुप्ता, कंसलेंट ऑब्स्ट्रिशन एंड गाइनोकोलोजिस्ट

रेसिपी

अंजीर का हलवा

सामग्री

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

गार्निशिंग के लिए

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

सूजी बर्फी

सामग्री

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

विधि

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

चाशनी बनाएं : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3934

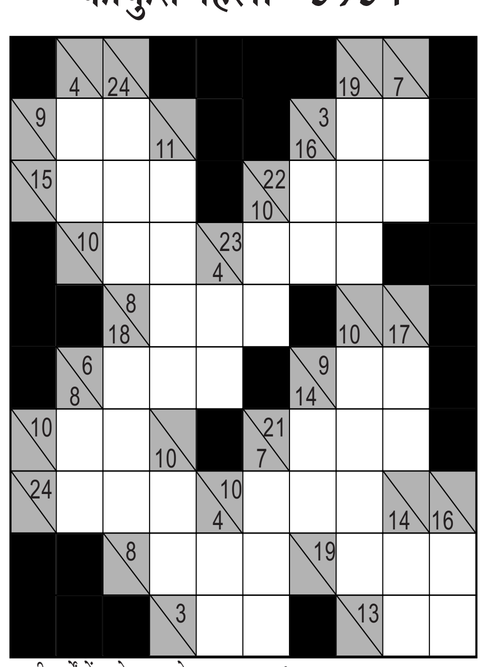

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3933 का हल

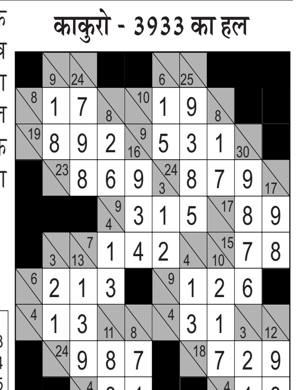

हंसी के फूव्वारें

मालकिन ने नई नौकरानी से पूछा-'देखो ! मैं ज्यादा बातचीत नहीं करती. अगर मैं अंगुली से इशारा करूँ तो समझ लो कि मैं बुला रही हूँ.'

इस पर नौकरानी बोली-'जी ! मैं भी बहुत कम बोलना पसन्द करती हूँ. अगर मैं अपना सिर हिला दूं तो समझ जाइये कि मैं नहीं आ सकती.'

जेल की एक कोठरी में बैठे तीन कैदी बता रहे थे कि वे क्यों पकड़कर बन्द कर दिये गए ?

पहला-'मै चुनाव में राजनारायण के पास में काम कर रहा था !'

दूसरा-'और मैं राजनारायण के खिलाफ काम कर रहा था !'

तीसरा-'राजनारायण मैं खुद हूँ.'

प्रेमिका बोली, ''मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह न करूंगी जो झूठ बोलता हो.''

प्रेमी बोला,''तब तो तुम सारा जीवन कुंवारी रहोगी.''

मंत्री जी ने अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा-''भाइयों, ऑपरेशन थिएटर का निर्माण एक अच्छी बात है. इतने बड़े अस्पताल में रोगियों के मनोरंजन के लिए उनका अपना थिएटर होना बहुत जरूरी है.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3934

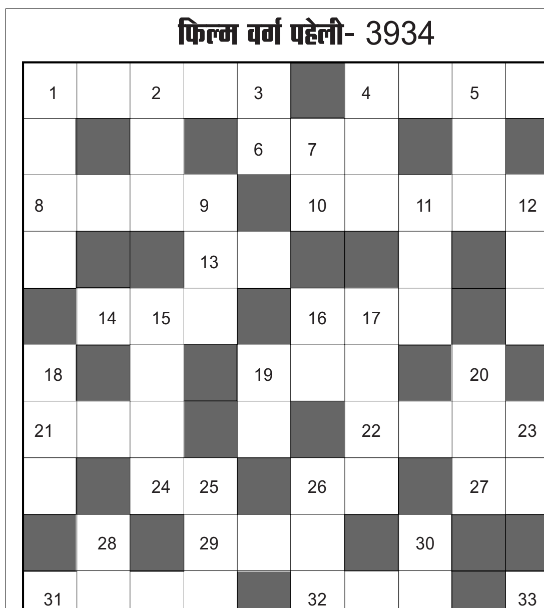

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3933

सूडोकु -3934

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3933 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 3934

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -3933 का हल

सूरज नांबियार से सेपरेशन के बाद बोलीं मौनी रॉय

मैं आसानी से माफ कर देती हूं

अपने पति सूरज नांबियार से अलग होने की घोषणा के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस मौनी रॉय ने माफी, भावनात्मक घावों और मुश्किल अनुभवों से उबरने में आध्यात्मिकता की भूमिका के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि समय के साथ माफी को लेकर उनकी समझ कैसे बदली है। इस बीच वो एक्टिंग में भी लगातार सक्रिय हैं।

बातचीत में मौनी रॉय ने कहा कि कम उम्र में भी लोगों को माफ करना कभी मुश्किल काम नहीं था। असली चुनौती तो उसके बाद भी रह जाने वाले दर्द को भूलना थी। जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं बहुत आसानी से माफ कर देती थी और आज भी करती हूं, लेकिन मैं भूल नहीं पाती थी। अब अपनी पर्सनल और आध्यात्मिक यात्रा के साथ मुझे लगता है कि बस माफ कर देना चाहिए। भगवान ही आपको भुलाने में मदद करते हैं।

ज्यादा तकलीफ उसे होती है, जो छोड़ नहीं पाता

मौनी ने माफी को एक ऐसी प्रक्रिया बताया जो तब आसान हो जाती है, जब आप दुख को हमेशा ढोते रहने वाली चीज मानना छोड़ देते हैं। उनके अनुसार, नाराजगी को मन में बनाए रखने से अक्सर उसी व्यक्ति को ज्यादा तकलीफ होती है जो उसे छोड़ नहीं पाता। अगर आप इसे जाने नहीं देंगे, तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको ही होगी। उन्होंने उस असंतुलन के बारे में भी बात की जो अक्सर किसी के दुख पहुंचाने के बाद पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिसे दुख पहुंचा है, वह उस अनुभव को लंबे समय तक बार-बार याद करता रह सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति उससे आगे बढ़ चुका होता है। कभी-कभी जिस व्यक्ति ने आपको दुख पहुंचाया होता है, वह इसके बारे में सोच भी नहीं रहा होता, चाहे उन्होंने आपको कितना भी गहरा दुख क्यों न दिया हो।

मेडिटेशन ने बदला नजरिया

एक्ट्रेस ने हाल के साल में ज्यादा शांति और स्पष्टता पाने का श्रेय मेडिटेशन, मंत्र-जाप और आध्यात्मिकता जैसी चीजों को दिया। उन्होंने बताया कि इन अनुभवों ने रिश्तों, निराशा और इमोशनल रिकवरी के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया है।

साथ ही मौनी ने यह भी साफ किया कि माफ करने का मतलब नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को नजरअंदाज करना या उसके अस्तित्व को नकारना नहीं है। उन्होंने किसी व्यक्ति को जज करने और नुकसानदेह कामों या आदतों को पहचानने के बीच फर्क बताया। उन्होंने समझाया कि कुछ बुरे लोग होते हैं जो आपको दुख पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं उस व्यक्ति को बुरा नहीं कह रही हूं, बल्कि उनकी आदतों को बुरा कह रही हूं।

'अब होगा हिसाब' में नजर आईं मौनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय आखिरी बार 'अब होगा हिसाब' में नजर आई हैं। इसमें उनके साथ शाहिर शेख, संजय कपूर और अविनाश मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इससे पहले मौनी वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी नजर आई थीं।

अब कॉमेडी करना मुश्किल हो गया है

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा है। इस कॉमेडी फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अक्षय कुमार का मानना है कि डिजिटल दौर में कॉमेडी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जहां मीम्स और इंस्टाग्राम रील्स रोजाना लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। एक्टर ने स्टैंड-अप कॉमेडियंस की भी तारीफ की कि वे किस तरह लोगों को हंसाते हैं।

आज हर जगह रील्स और मीम्स के जरिए कॉमेडी कंटेंट मौजूद है बातचीत में अक्षय ने माना कि मौजूदा वक्त में कॉमेडी करना काफी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अब और भी मुश्किल हो गया है। आज हर जगह रील्स, मीम्स और कॉमेडी कंटेंट मौजूद हैं। लेकिन कॉमेडी एक बड़ी नदी की तरह है; यह कभी सूखती नहीं है। कॉमेडी के कई रूप हैं, जैसे फिजिकल कॉमेडी, सिचुएशनल कॉमेडी, स्लॅपस्टिक कॉमेडी और डार्क ह्यूमर। एक्टर ने भारत में पिछले कुछ साल में कॉमेडी के नए तरीकों जैसे स्टैंड-अप के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाने के अनगिनत तरीके हैं।

अगर आप इंस्टाग्राम खोलें, तो आपको ढेर सारे मीम्स और मजेदार वीडियो मिल जाएंगे। लोग रोजाना कॉमेडी देखते-सुनते हैं। बहुत सारे कॉमेडी शो और टैलेंटेड स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं जो नया कंटेंट बना रहे हैं। लेकिन लोगों को हंसाना आज भी सबसे मुश्किल कामों में से एक है। लोग अक्सर कॉमेडी को कमतर आंकते हैं। मैं स्टैंड-अप कॉमेडियन का बहुत सम्मान करता हूं। दर्शकों के सामने अकेले खड़े होकर लोगों को हंसाना वाकई बहुत मुश्किल काम है।

इमरान हाशमी की फिल्म 'रूह' की हुई घोषणा

हॉरर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी करने वाले अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्षों के बाद एक बार फिर हॉरर जॉनर फिल्म में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'रूह' की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने इसका पहला लुक भी जारी किया है। इसमें यह भी जानकारी दी गई है कि यह कब रिलीज होगी।

फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो के जरिए फिल्म 'रूह' की घोषणा की है। 52 सेकंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जंगल में एक रहस्यमयी लड़की है। इसके बाद एक धुंधला सा शीशा नजर आता है। इस शीशे को एक रहस्यमयी हाथ साफ करता है। शीशे में इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। देखते-देखते इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल 'रूह' लिखा नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

मेकर्स ने वीडियो में ही बताया है कि यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक मयंक शर्मा होंगे। इसके लेखक मयंक शर्मा और विशाल कपूर हैं। फिल्म के निर्माता विक्रम खंखर और सनी खन्ना होंगे।

हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म फिल्म में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अब अपने करियर में एक बार फिर नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ लेने की तैयारी में हैं। खबरों के मुताबिक, वह निर्देशक राही अनिल बर्वे की एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। राही वही फिल्मकार हैं, जिन्होंने अपनी चर्चित फिल्म 'तुम्बाड' के जरिए भारतीय हॉरर सिनेमा को नया आयाम दिया था। सूत्रों के अनुसार, जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। जाह्नवी फिलहाल कई स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं, लेकिन इस हॉरर प्रोजेक्ट में उनकी विशेष रुचि बताई जा रही है। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसे क्रिएचर हॉरर की श्रेणी में रखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए प्री-प्रोडक्शन और शुरुआती तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

सुपर सुब्बू का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।

सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो।

किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता

अली फजल इन दिनों वेब सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। अली ने अपने रोल और इस सीरीज के बारे में बातें साझा कीं।

इस सीरीज को हां करने की वजह क्या रही?

यह कहानी आज के समय में बेहद प्रासंगिक है। हालांकि इसकी प्रेरणा एक कुख्यात केस से ली गई है, जो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। दिल्ली उस दौर की तुलना में काफी बदल चुकी है, लेकिन उस समय के कई लोग आज भी मिलते हैं और बताते हैं कि तब क्या-क्या हुआ था। हाल ही में किसी ने मुझे बताया कि उस केस के दोनों आरोपी मुंबई के जेवीपीडी इलाके में भी देखे गए थे। यही बात इस मामले को और चौंकाने वाली बनाती है। साथ ही यह सवाल भी उठता है कि आज ऐसे कितने मामले हो रहे हैं। मेरे हिसाब से सिनेमा की जरूरत तब पड़ती है, जब लोगों को जागरूक करना हो कि एक परिवार के साथ जो हुआ, वह किसी और के साथ न हो। वहीं, जय प्रकाश का किरदार मुझे बहुत दिलचस्प लगा।

सब-इंस्पेक्टर के किरदार में ढलने के लिए आपने क्या-क्या किया?

इस किरदार को गढ़ने में मेरी पूरी टीम का बड़ा योगदान रहा। हम सभी ने इस पर काफी रिसर्च की और बहुत पढ़ाई की। शुरुआत में हमने सिर्फ सीन पढ़े, फिर धीरे धीरे किरदार की दुनि दुनिया में उतरते गए। हमने समझने की कोशिश की कि अगर यह उस दौर का व्यक्ति है, तो उसकी फितरत कैसी होगी, उसकी आदतें क्या होंगी। कहानी इमरजेंसी के बाद के समय की है, इसलिए उस दौर में पुलिस कैसे काम करती थी? इस पर भी काफी चर्चा हुई। उदाहरण के तौर पर उस समय दिल्ली में कॉन्स्टेबल्स को शॉर्ट्स पहनने से मना कर दिया गया था। लोगों की भाषा भी काफी पुख्ता थी और वे ज्यादातर हिंदुस्तानी में बात करते थे। मेरे हिसाब से इन सभी पहलुओं को गहराई से समझना इस किरदार की तह तक पहुंचने के लिए बेहद जरूरी था।

दर्शकों पर इस सीरीज का क्या प्रभाव पड़ा?

मुझे लोगों से बहुत अलग-अलग और दिलचस्प प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। आमतौर पर ऐसी कहानियों में या तो सिर्फ अपराधी का दृष्टिकोण दिखाया जाता है या फिर पुलिस का, लेकिन इस सीरीज में दोनों के बीच संतुलन रखा गया है। मेरे लिए इसकी सबसे अहम बात 'वर्दी की बंदिश' है। जब आप वर्दी पहनते हैं तो आपके काम करने की एक सीमा तय हो जाती है और आपको उसी दायरे में रहकर काम करना पड़ता है। लोगों को लगता है कि पुलिस के पास बहुत आजादी होती है, लेकिन हकीकत हमेशा वैसी नहीं होती। इस सीरीज में मेरा किरदार भी एक आम इंसान की तरह नजर आता है जो इस केस को पूरी शिद्दत और ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश करता है।

शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

मेरे अनुसार शूटिंग करीब डेढ़ से दो महीने तक चली। हमारे निर्देशकों की यह स्पष्ट इच्छा थी कि हम वास्तविक लोकेशनों पर ही शूटिंग करें और सेट न बनाए जाएं। इसलिए ज्यादातर शूट असली स्थानों पर हुआ। हमने काफी शूटिंग आगरा और उसके आसपास के इलाकों में की। इसके बाद मुंबई में काम किया और फिर मुख्य शूटिंग दिल्ली में हुई। दिलचस्प बात यह रही कि दिल्ली का शेड्यूल मार्च में रखा गया था, जब वहां काफी गर्मी रहती है।

क्या आज के समय में स्टार कास्ट से ज्यादा फिल्म की कहानी केंद्र में आ रही है?

जी, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। जिस दिन कहानी किसी फिल्म की असली हीरो बन जाएगी, उस दिन पूरा खेल बदल जाएगा। उसके बाद अगर उस कहानी के साथ अच्छे कलाकार जुड़ जाएं, तो बात और बेहतर हो जाती है। मेरा मानना है कि अगर कहानी मजबूत नहीं है, तो सिर्फ किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता। इसके अलावा मैं किसी भी स्क्रिप्ट का चयन काफी सोच-समझकर करता हूं।

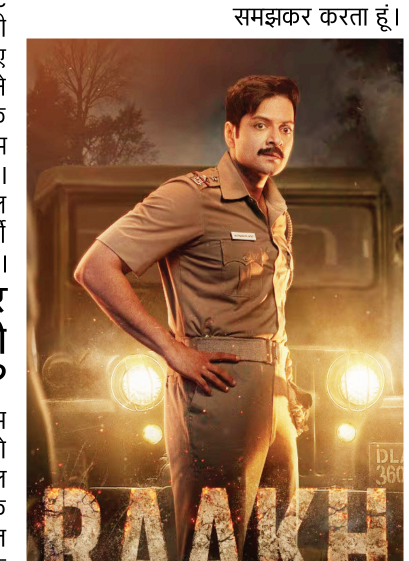

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।